खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 08 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-95

विनाशकाले विपरीत बुद्धि

परमाणु हमले से ईरानी सभ्यता खत्म करने की अटकलें

नयी दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सभ्यता खत्म करने की सीधे-सीधे धमकी दी है। इस धमकी ने ईरान पर न्यूक्लियर अटैक की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका, ईरान पर न्यूक्लियर हमला भी कर सकता है। ट्रंप द्वारा दी गई डेडलाइन बुधवार सुबह 5.30 बजे खत्म होगी। माना जा रहा है कि समय सीमा की समाप्ति के बाद ट्रंप परमाणु शक्ति के विकल्प पर भी विचार कर सकते हैं।

ट्रंप ने सीजफायर डील के लिए ईरान को 48 घंटे का समय दिया था। यह समयसीमा धीरे-धीरे खत्म होने जा रही है। इससे पहले ही अमेरिका ने ईरान के खार्ग द्वीप पर हमला कर दिया। अमेरिका और इजरायल, ईरान की रेलवे लाइन और पुल पर हमला कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके बयान का समर्थन किया और कहा कि अमेरिका के पास एक ऐसा टूल है, जिसका अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे लोग परमाणु हथियारों का संकेत मान रहे हैं।

वेंस ने ट्रंप की धमकी के बाद कहा कि यह समझना होगा कि हमारे पास ऐसे टूल हैं, जिनका हमने अभी तक इस्तेमाल नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति तय कर सकते हैं कि उनका इस्तेमाल करना है या नहीं। अगर ईरान अपना व्यवहार नहीं बदलता, तो वे उनका इस्तेमाल करेंगे।

इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने कहा था कि पूरे देश को एक रात में खत्म किया जा सकता है, जिससे यह डर और बढ़ गया कि वे परमाणु हमले पर विचार कर रहे हैं।

क्या ट्रंप ईरान पर न्यूक्लियर हमला करेंगे? रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप के मौजूदा और पूर्व सलाहकारों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि वे ईरान पर परमाणु हमला करने का आदेश दे सकते हैं। इसे लेकर लोग सोशल मीडिया पर चिंता जता रहे हैं। एक शख्स ने पोस्ट कर कहा कि ट्रंप स्पष्ट रूप से ईरान पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दे रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति पद से हटाया जाना चाहिए।

ठीक इसी तरह एक यूट्यूबर ने लिखा कि ट्रंप परमाणु बम गिराने वाले हैं। कई अन्य यूजर्स ने भी आशंका जताई कि टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन का इस्तेमाल हो सकता है।

व्हाइट हाउस ने न्यूक्लियर हमले के इन दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि जेडी वेंस के बयान में कहीं भी परमाणु हमले का संकेत नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया में कहा गया कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिससे यह निष्कर्ष निकाला जाए।

▶8पर

ट्रंप के अफसरों के हाथ-पैर फूले...

वाशिंगटन/तेहरान नयी दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की डेडलाइन से पहले अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आखिरी दौर में पहुंच गई है। व्हाइट हाउस में दबाव बढ़ गया है और अधिकारी हर हाल में समय सीमा से पहले समझौता करने की कोशिश में जुटे हैं। प्रस्ताव में सुधार के साथ बातचीत जारी है। अगले कुछ घंटे बेहद निर्णायक माने जा रहे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अब पूरी कोशिश इस बात पर केंद्रित है कि क्या हम आज रात 8 बजे तक वहां पहुंच सकते हैं। इससे साफ है कि बातचीत निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और हर मिनट अहम हो गया है। हाल ही में मिला प्रस्ताव पूरी तरह वैसा नहीं है जैसा अमेरिका चाहता था, लेकिन यह उम्मीद से कहीं बेहतर है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, बेहतर प्रस्ताव मिलने की वजह से बातचीत को आगे बढ़ाने की इच्छा दोनों पक्षों में बनी हुई है। इस प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रस्ताव मिलने के बाद मध्यस्थों ने ईरान के साथ मिलकर उसमें संशोधन और नया मसौदा तैयार करने का काम शुरू कर दिया। ▶8पर

चीन-रूस वीटो पाक का धोखा

होर्मुज खोलने का प्लान हुआ फेल तो भड़के खाड़ी देश

नयी दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर ट्रंप का 48 घंटे का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस रणनीतिक समुद्री रास्ते को खोलने पर वोटिंग हुई है। होर्मुज खोलने को लेकर बहरीन की तरफ से लाए प्रस्ताव पर रूस और चीन ने वीटो कर दिया जिससे प्रस्ताव पास नहीं हो सका है। गौर करने वाली बात ये है कि 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य पाकिस्तान, जो खुद को खाड़ी देशों का दोस्त कहता है, प्रस्ताव पर वोटिंग से नदारद रहा।

प्रस्ताव के विफल होने पर बहरीन समेत सभी खाड़ी देश चीन और रूस पर बिफर पड़े हैं। बहरीन ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है।

बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल जयानी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन, यूएई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन का बयान पढ़ा जिसमें इन सभी देशों ने प्रस्ताव के विफल होने पर निराशा जताई है।

अल जयानी ने कहा कि इन देशों ने इस बात पर खेद जताया है कि आज आपके सामने पेश किया गया प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। परिषद एक अवैध गतिविधि के मामले में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही। होर्मुज खोलने के लिए बिना किसी देरी के बड़ी कार्रवाई जरूरी थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद थी कि यह मसौदा प्रस्ताव एक स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इससे होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। होर्मुज एक राष्ट्रीय जलमार्ग है और जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कोई भी देश बाधित करने का अधिकार नहीं रखता।

चीन के शुरुआती विरोध के बाद बहरीन की तरफ से लाया गया होर्मुज खोलने का प्रस्ताव पहले ही कमजोर हो गया था। रूस ने भी इसका विरोध किया। वहीं, पाकिस्तान और कोलंबिया ने वोटिंग से परहेज किया। प्रस्ताव को 11 देशों का समर्थन मिला।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, पहले जो प्रस्ताव का ड्राफ्ट था उसमें होर्मुज खोलने के लिए बल प्रयोग की इजाजत का जिक्र था। लेकिन बाद में जो संशोधित प्रस्ताव पेश हुआ उसमें से बल प्रयोग की इजाजत को हटा दिया गया था।

प्रस्ताव में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल रास्तों का इस्तेमाल करने वाले देशों को हालात देखते हुए रक्षात्मक सहयोग के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वहां जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। इसमें कहा गया कि ऐसे सहयोग में व्यापारी और कमर्शियल जहाजों को एस्कॉर्ट देना भी शामिल हो सकता है।

अब पीएनजी भी महंगी

नयी दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है।

एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में कीमत 47.35 रुपये से बढ़ाकर 48.35 रुपये, अजमेर, पाली और राजसमंद में 47.27 रुपये से बढ़ाकर 48.27 रुपये तथा कानपुर, फतेहपुर, हमीरपुर और चित्रकूट में 47.95 रुपये से बढ़ाकर 48.95 रुपये कर दी गयी है। दूसरे शहरों में कीमतों में इसी प्रकार वृद्धि हुई है।

भारत को परमाणु स्वतंत्रता मिली

रूस के बाद दुनिया का दूसरा देश बना

हैदराबाद/नई दिल्ली, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को घो-षणा की कि स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 500 मेगावाट का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर कल्पक्कम में क्रिटिकैलिटी हासिल कर चुका है जिसका अर्थ है कि यह अधिक परमाणु ईंधन उत्पन्न कर रहा है जितना यह उपभोग करता है। इसके साथ ही भारत ब्रीडर रिएक्टर चलाने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है, रूस के बाद।

क्रिटिकैलिटी का अर्थ है नियंत्रित विखंडन शृंखला अभिक्रिया का प्रारंभ। PFBR में इसका अर्थ है अधिक परमाणु ईंधन और विद्युत शक्ति का उत्पादन। यह रिएक्टर प्लूटोनियम-239 (आग) और यूरेनियम-238 (प्रजनन स्थल) के मिश्रण पर चलता है। यह मिश्रण थोरियम-232 की एक ब्लैंकेट पर परमाणु कण (न्यूट्रॉन) दागता है, जिससे इसे यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग चरण 3 के परमाणु रिएक्टरों के लिए किया जा सकता है। अमेरिका और चीन सहित कई देश अब तक इसे हासिल करने में असफल रहे हैं।

मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी और कहा, यह कार्यक्रम के तीसरे चरण में हमारे विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर वह आधारशिला है जिस पर भारत की परमाणु ऊर्जा नीति टिकी हुई है। यह होमी जे. भाभा द्वारा 1954 में तैयार किए गए तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य देश में यूरेनियम भंडार की कमी को दूर करने के लिए प्रचुर थोरियम भंडार का दोहन करना है। एक अनुमान के अनुसार, भारत के पास दुनिया के थोरियम भंडार का एक चौथाई हिस्सा है।

परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसार, पीएफबीआर का तकनीकी विकास और डिजाइन इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से किया गया था। डीएई के पूर्व सचिव अनिल काकोडकर ने कहा कि यह ऐतिहासिक विकास भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की जीवाश्म ईंधन के लिए अन्य देशों पर निर्भरता को देखते हुए, खासकर तब जब पश्चिम एशिया में संकट ने तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को प्रभावित किया है, यह कदम महत्वपूर्ण हो जाता है।

▶8पर

पॉक्सो आरोपी को 22 वर्ष की सज़ा

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली स्थित एक सेशन कोर्ट ने वर्ष 2021 के पॉक्सो एवं एससी/एसटी एक्ट से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी संगम मनोहर (20), निवासी ओल्ड मलकपेट, को 22 वर्ष के कठोर कारावास की सज़ा सुनाई है।

यह मामला एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने एक नाबालिग पीड़िता को झूठे वादों के जरिए बहला-फुसलाया और बार-बार उसका यौन उत्पीड़न किया। अपराध के दौरान आरोपी ने पीड़िता की अश्लील तस्वीरें एवं वीडियो रिकॉर्ड किए, उन्हें अन्य लोगों में प्रसारित किया तथा पीड़िता के परिवार को धमकियां भी दीं। विस्तृत सुनवाई एवं साक्ष्यों की गहन जांच के बाद कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत दोषी पाया।

कोर्ट ने 22 वर्ष के कठोर कारावास के साथ 5,000 का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में छह माह की अतिरिक्त साधारण कारावास की सज़ा का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को 5 लाख का मुआवज़ा देने की सिफारिश भी की है।

कार्टून कॉर्नर

मणिपुर में बम हमले से 2 मासूमों की मौत

प्रदर्शनकारियों का सीआरपीएफ कैंप पर हमला, जवाबी फायरिंग में 2 की जान गई

इंफाल, 07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में सोमवार देर रात उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया, जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब बच्चे अपनी मां के साथ बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है।

स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी गई।

प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। इसके बाद भीड़ ने घटनास्थल से 100 मीटर दूर सीआरपीएफ कैंप पर भी हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में 2 की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए।

मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा। खेमचंद ने कहा कि यह हमला एक बर्बर हरकत है और इंसानियत पर सीधा हमला है।

▶8पर

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिचौलियों पर भरोसा मत करें : कोया श्री हर्षा

पेद्दापल्ली, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर श्री कोया श्री हर्षा ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए किसी बिचौलिए की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने देखा है कि कुछ बिचौलिए जनता को सेवाएं प्रदान करने के नाम पर धोखाधड़ी कर रहे हैं।

कलेक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान कुछ लोग यह दावा करके पैसे वसूल रहे हैं कि वे भू भारती जैसी योजन- ाओं की समस्याओं का समाधान करेंगे और उन्हें इंदिराम्मा इंदलू तथा नए राशन कार्ड जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए चुना जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे लोगों की कोई आधिकारिक पहचान नहीं होती और वे जनता को धोखा दे रहे हैं।

उन्होंने जनता को सलाह दी कि यदि कोई व्यक्ति समस्या के समाधान के नाम पर पैसे मांगे तो उसे एक पैसा भी न दें। ऐसी घटना होने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने को कहा। कलेक्टर ने बताया कि लोग प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले प्रजावाणी कार्यक्रम में जिला कलेक्टर या अन्य उच्च अधिकारियों को अपनी समस्याओं के बारे में सीधे सूचित कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि जिला कलेक्टर बुधवार से शुक्रवार तक दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक जनता से मिलने का अवसर दे रहे हैं। उन्होंने जनता को इस समय का सदुपयोग करने की सलाह दी और सभी निवासियों को बिचौलियों पर भरोसा करके पैसे गंवाने से सावधान रहने को कहा।

पेद्दापल्ली के युवाओं को रोजगार देने में मेगा जॉब मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : कोया श्री हर्षा

पेद्दापल्ली, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में मेगा जॉब मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंगलवार को एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट में उन्होंने मेगा जॉब मेला आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि सरकार ने 99दिवसीय 'प्रजापालना–प्रगति योजना' कार्यक्रम के तहत मेगा जॉब मेला आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने टास्क, डीईईटी तथा जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारियों को समन्वय में काम करते हुए रोजगार मेले का आयोजन करने को कहा। उन्होंने दिशानिर्देश दिए कि संयुक्त जिलों के मुख्य केंद्रों में 1 से 13 मई तक रोजगार मेला एवं अन्य क्षेत्रों में 14 से 24 मई तक मेगा रोजगार मेला आयोजित किया जाए। चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र 25 या 26 मई को जिला कलेक्टर या जन प्रतिनिधियों के हाथों सौंपे जाएं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को कार्यक्रमस्थल, भाग लेने वाली संस्थाओं की संख्या, उपलब्ध रोजगार अवसर तथा उम्मीदवारों के लिए सुविधाओं सहित हर पहलू की सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बेर- ोजगार युवाओं को टास्क और अन्य प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से उचित कौशल प्रशिक्षण दिया जाए ताकि रोजगार मेलों में वे बेहतर तरीके से भाग ले सकें। उन्होंने जोर दिया कि युवाओं को अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने के योग्य बनाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने यह भी बताया कि टास्क क्षेत्रीय केंद्र लगातार कौशलविकास कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को अवसर उपलब्ध करा रहा है और उन्होंने युवाओं को टास्क जैसी सुविधाओं का पूरा लाभ उठाकर अपने भविष्य को मजबूत बनाने की सलाह दी। जिले के सभी डिग्री व व्यावसायिक महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ समन्वयबैठक आयोजित करने तथा वर्तमान एवं पूर्व छात्रों से परामर्श कर रोजगार मेलों से जुड़े अवसरों व कौशलप्रशिक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए।

इस बैठक में जिला रोजगार अधिकारी तिरुपति राव, जिला उद्योग अधिकारी कीर्तिकांत, कार्य केंद्र अधिकारी कौशल्या, विपणन अधिकारी प्रवीण और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेरे बेटे की मौत के लिए वे ज़िम्मेदार हैं, परिजनों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

राजमंड्री में युवक की आत्महत्या का मामला, कई लोगों पर उत्पीड़न के आरोप

राजमंड्री/आसिफाबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक दुखी परिवार ने पूर्वी गोदावरी ज़िले के पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज कराते हुए अपने बेटे की आत्महत्या के लिए कुछ लोगों को ज़िम्मेदार ठहराया है। परिजनों ने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

मृतक युवक के पिता, राजस्थान के उगमणावास गांव निवासी कालू राम ने अपने भाई अशोक कुमार, राज माली एवं अन्य परिजनों के साथ पूर्वी गोदावरी ज़िला पुलिस कार्यालय में आयोजित पीजीआरएस (जन शिकायत निवारण प्रणाली) कार्यक्रम के दौरान एसपी डी. नरसिम्हा किशोर को ज्ञापन सौंपा।

परिजनों के अनुसार, मृतक नारायण लाल चार वर्ष पूर्व रोज़गार की तलाश में राजस्थान से राजमंड्री आया था। मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य सीखने के बाद उसने मई 2025 में मेदारपेटा स्थित गीता अप्पारा थिएटर के सामने जय भवानी मोबाइल्स नाम से अपनी दुकान शुरू की थी।

परिवार का आरोप है कि स्थानीय मोबाइल एसोसिएशन से जुड़े कुछ लोगों ने एक समझौता ज्ञापन (चेण) का दुरुपयोग करते हुए उनके बेटे के व्यवसाय पर अवैध प्रतिबंध लगाए, जुर्माना लगाया और उसे लगातार परेशान किया, जिससे वह मानसिक तनाव में आ गया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि इंद्रकुमार, अर्जुन कुमार, दमराराम, एस. हेमंत, खलेशा सहित अन्य लोगों ने मिलकर उनके बेटे को धमकाया और उसके खिलाफ साजिश रची। यहां तक कि जय भवानी मोबाइल्स के साथ व्यापार करने वालों पर 5,000 से 10,000 तक जुर्माना लगाने की घोषणा की गई, जिससे उसे गंभीर आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा।परिवार का कहना है कि इस लगातार उत्पीड़न के चलते नारायण लाल मानसिक रूप से टूट गया और उसने आत्महत्या कर ली।परिजनों ने एसपी से इंद्रकुमार, अर्जुन कुमार, अर्जुन पटेल, बी. वेणुगोपाल, एम.डी. खलील, एस. हेमंत, खलेशा, दमराराम सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।इस दौरान घांची आशारामजी, घांची कालूरामजी, घांची जेत- ारामजी, घांची रणछोडाराम, राजू भाई माली, घांची खेताराम, घांची विक्रम कुमार, घांची लक्ष्मण कुमार, घांची गोपीलाल, वैष्णव विक्रम कुमार, घांची जयंतीलाल, घांची पुखराजजी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग एसपी कार्यालय पहुंचे और नारायण लाल को न्याय दिलाने की मांग की।

विधायक ने मेनूर गांव में सीसी सड़क व गोदाम निर्माण की आधारशिला रखी

मदनूर, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक थोथा लक्ष्मीकांत राव ने मदनूर मंडल के मेनूर गांव में 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क और 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एक सोसाइटी गोदाम के निर्माण के लिए मंगलवार को आधारशिला रखी।

उन्होंने मेनूर गांव के विकास की दिशा में यह आधारशिला रखकर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिस पर गांववासियों ने खुशी व्यक्त की।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रत्येक गांव में विकास का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है और ऐसी योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस दौरान मेनूर ग्राम सरपंच अशोक पटेल, मदनूर मंडल कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दारासवार सायलु, मेनूर गांव के पूर्व सरपंच विट्ठल गुरुजी, कांग्रेस कार्यकर्ता देवीदास पाटिल, गोपी तथा अन्य स्थानीय जनता मौजूद रही।

करीमनगर में जुड़वां बच्चियों की हत्या के आरोप में चार गिरफ्तार

मंचेरियाल, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर ग्रामीण पुलिस ने करीमनगर मंडल के जुबलीनगर में जुड़वां बच्चियों की हत्या के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी में बच्चियों के पिता कचु श्रीशैलम, दादा–दादी अशोक और लावण्या तथा चाचा राकेश शामिल हैं।

करीमनगर पुलिस आयुक्त गौश आलम ने सोमवार को ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए बताया कि श्रीशैलम, जो एक निजी मेडिकल कॉलेज में कंप्यूटर ऑपरेटर है, ने 2020 में मौनिका से विवाह किया था। 2022 में दंपति को जुड़वां बेटियां गीताम श्री और गीतानविका हुईं। श्रीशैलम शुरू से ही पुत्रप्राप्ति की इच्छा रखता था और जुड़वां पुत्रियों के जन्म से दुखी हो गया। उसे यह भय सताने लगा कि भविष्य में दोनों बेटियों के विवाह के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये की संपत्ति चाहिए होगी।

इसी बात को लेकर उसने अपने मातापिता अशोक व लावण्या तथा भाई राकेश के साथ मिलकर बेटियों की हत्या की योजना बनाई। 3 अप्रैल को श्रीशैलम ने बेटियों को मोटरसाइकिल पर बिठाकर अपने खेतों में ले गया और पत्नी को घर पर रहने के लिए कहकर उन्हें एक कृषि कुएं में फेंक दिया। जब गीताम श्री पानी में जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रही थी, तो श्रीशैलम खुद भी कुएं में कूद गया और उसे पानी में धकेलकर मार डाला। इसके बाद उसने शोर मचाकर बच्चों को बचाने का नाटक किया।

खेत में हुई घटना पर ग्रामीणों को संदेह हुआ तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सीआई निरंजन रेड्डी के नेतृत्व में करीमनगर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और रविवार को गोपालपुर गांव में श्रीशैलम, अशोक, लावण्या और राकेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि श्रीशैलम को जेंडरआधारित भेदभाव और जमीनसंपत्ति की चिंता ने इस क्रूर अपराध के लिए प्रेरित किया, जिसमें पूरे परिवार ने साजिश रची थी।

दूरदराज क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं : हरिता

आसिफाबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जिले के दूरदराज क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, गांव और शहर के अस्पतालों में विकास कार्य चल रहे हैं।कलेक्टर ने बताया कि कागेजनगर में सरकारी एरिया अस्पताल का निर्माण युद्धस्तर पर किया जा रहा है और इसे सितंबर तक शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि 14–15 वर्ष के बच्चों को एचपीवी टीका दिया जाएगा, नवजात शिशुओं से लेकर बच्चों तक समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता पर जनता को शिक्षित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। किडनी रोगियों के लिए डायलिसिस सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आसिफाबाद और सिरपुर के विधायकों ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गांव स्तर पर सेवाएं दें। उन्होंने गिरीजन गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, बच्चों और जनता को पोषणयुक्त आहार के महत्व पर जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। ''इप्प पुव्वु लड्डू'' और अंतर फसलें उगाने जैसे स्थानीय पोषणयुक्त विकल्पों पर भी जोर दिया। साथ ही परिवार नियोजन और पोस्टमार्टम के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग की गई।इस कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी, सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, डॉक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धान की हेराफेरी के आरोप में चावल मिल के चार मालिकों पर मामला दर्ज

मंचेरियाल, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेंकटराओपेट गांव में सोमवार को एक चावल मिल के चार मालिकों के खिलाफ सरकार द्वारा कस्टम राइस मिलिंग प्रोसेस (सीएमआर) के लिए आवंटित धान को अनधिकृत रूप से डायवर्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। यह इन मालिकों द्वारा दो साल के अंतराल में दूसरा ऐसा अपराध है। पुलिस ने बताया कि श्री साई बालाजी एग्रो टेक राइस मिल के मालिक तथा सिरपुर (टी) कस्बे के निवासी रेनिकुंतला पद्मजा, बुद्धा माधुरी, रेनिकुंतला शिव कुमार और बुद्धा मनीष के खिलाफ 18,25.744 मीट्रिक टन और 2,702 मीट्रिक टन धान की कथित हेराफेरी में उनकी भूमिका के लिए केस दर्ज किया गया है, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 6.91 करोड़ रुपये आंकी गई है।

तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा जांच के बाद पता चला कि चारों ने सीएमआर धान को मुर्गी पालन के लिए बेचकर तथा निजी जरूरतों के लिए उपयोग करके लगभग 3.8 करोड़ रुपये की अवैध आय कमाई थी। इसके बाद अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर चारों के खिलाफ आधिकारिक मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इससे पहले 2024 में सतर्कता और प्रवर्तन दोनों विभागों के अधिकारियों ने साई बालाजी एग्रो राइस मिल का निरीक्षण किया था और पाया था कि 27 फरवरी को सिरपुर (टी) मंडल के वेंकटराओपेट गांव में धान की 69,394 से अधिक बोरियों की हेराफेरी की गई थी, जिनका अनुमानित मूल्य 5.90 करोड़ रुपये था। इस ओर भी जांच की जा रही है।

व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे 48 एलपीजी सिलेंडर जब्त

मंचेरियाल, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नागरिक आपूर्ति एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को कोरुतला में व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किए जा रहे 48 सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर जब्त किए। यह कार्रवाई राज्य भर में सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के बढ़ते उल्लंघन के मद्देनजर की गई।अधिकारियों ने छात्रावासों और टिफिन/भोजनालय केंद्रों में अचानक निरीक्षण अभियान चलाया, जिसके दौरान पाया गया कि सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक स्तर पर भोजन बनाने और फिर इसे बेचने के लिए किया जा रहा था। 48 सिलेंडर जब्त करने के अलावा कुछ होटल एवं भोजनालयों के मालिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

इस अवसर पर डिप्टी तहसीलदार उमापति ने कहा कि सब्सिडी वाले सिलेंडरों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करना कानून के तहत अवैध है और ऐसी गतिविधि में लिप्त पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह की निरीक्षण अभियान और जांच जारी रहेगी, ताकि सब्सिडी गैस का दुरुपयोग रोका जा सके।

डोंगली में मार्कफेड के तहत सूरजमुखी खरीदी केंद्र का शुभारंभ

डोंगली, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदेशों के तहत मार्कफेड के तत्वावधान में और एनसीसीएफ के सहयोग से प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, डोंगली द्वारा संचालित सूर्यफूल (सूरजमुखी) खरीदी केंद्र का उद्घाटन जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक व जिला कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष अल्ले मलिकार्जुन के हस्ते डोंगली सहकारी सोसायटी कार्यालय परिसर में किया गया।

इस अवसर पर विधायक अल्ले मलिकार्जुन ने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी सूर्यफूल की फसल को केवल सरकारी खरीद केंद्र पर विक्रय करें। उन्होंने बताया कि सरकार ने सूर्यफूल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,772.10 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाले उत्पाद को एंडाबेनजी खरीदी केंद्र में सूर्यफूल की सफाई कराकर किसानों को सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य समय पर मिल सकता है।विधायक ने यह भी बताया कि खरीदी केंद्र में आने वाले किसानों के लिए पत्ता पासबुक की झेरोक्स प्रति, बैंक खाते की झेरोक्स प्रति तथा ए.डी./ए.ई.ओ. प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य है, ताकि भुगतान आसानी से उनके बैंक खाते में क्रेडिट हो सके।

हत्या मामले में आरोपी दोबारा गिरफ्तार

आसिफाबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले में चर्चित हत्या मामले का आरोपी रायसिडम विनोद कुमार, जो पहले पुलिस हिरासत से फरार हो गया था, को पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। 1 नवंबर 2025 को पिट्टगुड़ा गांव निवासी हनुमंतराव की हत्या विनोद ने कुल्हाड़ी से की थी। आरोप था कि हनुमंतराव मंत्र–तंत्र कर रहा था, जिससे विनोद के परिवार में बीमारियाँ हो रही थीं। हत्या के बाद दर्ज केस में विनोद को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह फरार हो गया।

जिला एसपी नितिका पंत ने आरोपी को पकड़ने के लिए दो विशेष टीमों का गठन किया। लगातार तलाशी अभियान के बाद 7 अप्रैल 2026 को गोलटी एक्स रोड ऑटो स्टैंड के पास उसे गिरफ्तार किया गया और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेजा गया। आरोपी को पकड़ने में रेब्बेना सीआई संजय, एसआई वेंकटकृष्ण, एसआई वेंकटेश और पुलिस कर्मियों श्रीनिवास, विद्यसागर, दुर्गेन्द्र, संदीप आदि की अहम भूमिका रही।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रिम अक्षर रिज़ॉर्ट का किया दौरा

किनवट, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बासर स्थित सरस्वती देवी मंदिर में अपनी पोती के अक्षर अभ्यास कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रिम अक्षर रिज़ॉर्ट का भी दौरा किया, जहां वे अपने परिवार के साथ पहुंचे और आतिथ्य ग्रहण किया।

बताया गया कि मुख्यमंत्री के साथ बिताए गए पुराने संसदीय कार्यकाल की यादें भी इस अवसर पर ताज़ा हुईं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद हेमंत पाटील ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पांडुरंगा की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा निजामाबाद में स्थापित हल्दी के नेशनल बोर्ड का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने हेमंत पाटील द्वारा संचालित 'बालासाहेब ठाकरे हल्दी (हरिद्रा) रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर' के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की।

रिज़ॉर्ट में मेजबान के पुत्र रुद्र ने मुख्यमंत्री को हल्दी पर आधारित पुस्तक एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शित श्री सरस्वती देवी की आकर्षक पेंटिंग की भी विशेष सराहना की।

इस अवसर पर डिप्टी चीफ मिनिस्टर मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री कोंडा सुरेखा, गार्डियन मिनिस्टर ज्योपल्ली कृष्णराव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सांसद वेमनरेंद्र रेड्डी, विधायक सुदर्शन रेड्डी, पूर्व सांसद इंद्रकरण रेड्डी, आनंदराव शिंदे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

14 को खरमास खत्म फिर गूंजेगी शहनाइयां

19 अप्रैल को पहला विवाह मुहूर्त

14 अप्रैल को सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद से फिर शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। खरमास खत्म होते ही विवाह, देव प्रतिष्ठा, नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य 14 अप्रैल के बाद शुरू हो गए हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 15 मार्च से लगे खरमास की समाप्ति 14 अप्रेल को रही है। जिसके बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास यानी मीन महीना खत्म हो गया है। इससे पहले 15 मार्च को सूर्य के मीन राशि में आने के बाद मीन मास चल रहा था। खरमास होने के कारण पिछले एक महीने से हर तरह के मांगलिक कामों पर रोक लगी हुई थी। लेकिन अब इनके लिए मुहूर्त रहेंगे। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि जब सूर्य मीन राशि में रहता है तब इन दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं करने चाहिए। इस दौरान सिर्फ जप, तप और स्नान-दान करना चाहिए। खासकर 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया का अबूझ मुहूर्त है, जिसमें बिना पंचांग देखे विवाह किए जा सकते हैं। मई का महीना भी शादियों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। इस दौरान गुरु और शुक्र की स्थिति अनुकूल रहने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है।

14 अप्रैल 2026 सेविवाह का मौसम पुनः शुरू हो जाएगा, जो चातुर्मास के प्रारंभ तक जारी रहेगा। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है और इसके साथ ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। देवशयनी एकादशी 25 जुलाई 2026 को और देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी। इसलिए, 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 के बीच कोई भी शुभ कार्य नहीं होंगे।

19 अप्रैल से 29 जून तक विवाह के लिए कुल 24 मुहूर्त हैं। अक्षय तृतीया का पर्व 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन अबूझ मुहूर्त होने के कारण किसी भी शुभ कार्य के लिए अलग से मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती है।

17 मई से 15 जून तक अधिक मास

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास रहेगा, जिसके चलते करीब एक माह तक विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों पर विराम रहेगा। इसी कारण अक्षय तृतीया से पहले और इसी दिन बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित किए जाएंगे। इन तीन माह में विवाह समारोहों की भरमार रहेगी।

गृह प्रवेश विवाह और शुभ काम

खरमास यानी मीन मास खत्म हो जाने से 16 संस्कार और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ दिन में अन्नप्राशन, नामकरण, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। सूर्य के मेष राशि में आते ही गृह प्रवेश और विवाह के भी मुहूर्त रहेंगे। अब देवगुरु बृहस्पति भी खुद की राशि यानी मीन में आ गए हैं। जिससे हर मांगलिक कामों में गुरु का बल और बढ़ जाएगा।

14 अप्रैल से शुरू होंगे शुभ कार्यक्रम

14 अप्रैल को होने वाली मेष संक्रांति सिर्फ खगोलीय घटना नहीं है। यह नए मंगल कार्यों की शुरुआत का संकेत है। जैसे ही सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं, मांगलिक कार्यों पर लगी रोक हट जाती है और विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण संस्कार जैसे आयोजनों की शुरुआत फिर से हो सकती है। आप भी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे तो अब समय आ गया है कि आप भी इन तिथियों में अपना मांगलिक कार्य संपन्न कर सकते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विवाह और सगाई जैसे मांगलिक कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त को शुभ माना जाता है। अगर किसी के विवाह की तारीख नहीं निकल पा रही है या फिर किसी कारण से शुभ मुहूर्त वाले दिन विवाह करना संभव ना हो तो अबूझ मुहूर्त में भी विवाह किया जा सकता है। धर्मग्रंथों के अनुसार अक्षय तृतीया, बसंत पंचमी और देव प्रबोधिनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त माना गया है।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

वर्ष 2026 के शुभ मुहूर्त

अप्रैल 2026 - 19, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 अप्रैल

मई 2026 - 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14 मई

जून 2026 - 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 जून

जुलाई 2026 - 1, 6, 7, 11 जुलाई

नवंबर 2026 - 21, 24, 25 और 26 नवंबर

दिसंबर 2026 -2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 दिसंबर

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।

कल वैशाख मास की कालाष्टमी जानें मुहूर्त और पूजा विधि

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कालाष्टमी का व्रत किया जाता है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कालाष्टमी का व्रत किया जाता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र रूप भगवान भैरव की विधि-विधान से पूजा की जाती है। कालाष्टमी को भैरव अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक कालभैरव भगवान की पूजा करने से जातक के जीवन से भय दूर हो सकता है। साथ ही कालाष्टमी का व्रत करने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है।

पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का आरंभ 9 अप्रैल, गुरुवार के दिन रात में 9 बजकर 19 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन यानी 10 अप्रैल, शुक्रवार को रात के 11 बजकर 15 मिनट तक अष्टमी तिथि व्याप्त रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 10 अप्रैल के दिन कालाष्टमी का व्रत करना शास्त्र सम्मत होगा। क्योंकि शास्त्रों में उदया तिथि में ही भैरव अष्टमी का व्रत करने का विधान बताया गया है।

वैशाख कृष्ण अष्टमी तिथि आरंभ	**9 अप्रैल, गुरुवार को रात में 9 बजकर 19 मिनट पर।**
वैशाख कृष्ण अष्टमी तिथि समाप्त	**10 अप्रैल, शुक्रवार को रात के 11 बजकर 15 मिनट पर।**
वैशाख मास कालाष्टमी	**10 अप्रैल, शुक्रवार (उदया तिथि के अनुसार)**

कालाष्टमी 2026 व्रत और पूजा मंत्र

व्रत का मंत्र- अतिक्रूर महाकाय कल्पान्त दहनोपम,
भैरव नमस्तुभ्यं अनुज्ञा दातुमर्हसि।
ओम भयहरणं च भैरव:।
ओम भ्रं कालभैरवाय फट।
ओम कालभैरवाय नम:।
ओम ह्रीं बं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरूकुरू बटुकाय ह्रीं।

वैशाख मास कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन व्रती को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के पश्चात साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। साथ ही, व्रत का संकल्प अवश्य लें।

घर के मंदिर में एक लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं और उस पर बाबा काल भैरव, शिवजी और मां पार्वती की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें।

पूजा घर में चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें और फिर, भगवान को ताजे पुष्पों की माला अर्पित करें। इसके बाद, नारियल, इमरती, गेरुआ, मदिरा आदि चढ़ाएं।

पूजा में एक चौमुखी दीपक अवश्य प्रज्वलित करें और कुमकुम या हल्दी से भगवान का तिल करें। अब धूप-दीप दिखाकर विधि-विधान से पूजा करें।

भगवान शिव, माता पार्वती और बाबा काल भैरव की एक-एक करके आरती करें। साथ ही, पूजा में भगवान कालभैरव के मंत्रों का 108 बार जाप भी अवश्य करें।

इस दिन शिव चालीसा और भैरव चालीसा का पाठ करना बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। साथ ही, आप बटुक भैरव पंजर कवच का पाठ कर सकते हैं।

कालाष्टमी के दिन रात में काले तिल, दीपक, सरसों का तेल आदि से कालभैरव भगवान की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, रातभर जागरण करना बहुत शुभ फलदायी माना जाता है।

सुहागिन महिलाएं अपनी ये पांच चीजें साझा करने से रूठ जाता भाग्य

सुहागिन महिलाओं के लिए 'सुहाग का सामान' केवल शृंगार मात्र के लिए नहीं होता, बल्कि उनके वैवाहिक सौभाग्य और ऊर्जा का प्रतीक भी होता है। हिंदू धर्म में दान को 'महापुण्य' बताया गया है। लेकिन वहीं कुछ चीजें ऐसी भी हैं, जो पुण्य के स्थान पर आपको परेशानियां दे सकती हैं। लोक परंपराओं के अनुसार, सुहाग के कुछ सामान को दूसरों के साथ साझा करने से सुहागिन महिला को अपने निजी जीवन कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ सकता है।

सौभाग्य की सबसे बड़ी निशानी

एक विवाहित महिला के लिए सिंदूर, सौभाग्य और सुहाग की सबसे बड़ी निशानी होती है। एक केवल एक शृंगार नहीं है, बल्कि पति की लंबी उम्र और समृद्धि का प्रतीक भी माना गया है। ऐसे में भूलकर भी कभी दूसरी महिला को अपनी उपयोग की गई सिंदूर की डिब्बी या अपना लगाया हुआ सिंदूर नहीं देना चाहिए। माना जाता है कि सिंदूर साझा करने से आप अपने दांपत्य जीवन की सकारात्मकता और सौभाग्य को भी दूसरों को दे देते हैं, जिससे रिश्तों में अनबन हो जाती है।

वैवाहिक जीवन में आएंगी बाधाएं

मंगलसूत्र भी एक विवाहित स्त्री के लिए सुहाग की सबसे बड़ी निशानी है। ज्योतिष शास्त्र में यह माना गया है कि मंगलसूत्र एक सुहागिन की सकारात्मक ऊर्जा को संचित करता है।

ऐसे में कभी भूल से भी अपना पहना हुआ मंगलसूत्र कभी दूसरों को पहनने के लिए न दें, चाहे वह आपके कितना ही करीब क्यों न हो। क्योंकि ऐसा करने से आपके वैवाहिक जीवन में बाधाएं उत्पन्न हो सकता हैं।

भाग्य पर पड़ेगा बुरा प्रभाव

हिंदू धर्म में सुहागिन के माथे की बिंदी भी सौभाग्य और सुहाग की निशानी के रूप में देखी जाती है।

अक्सर महिलाएं अपनी लगाई हुई बिंदी किसी और को दे देती हैं या फिर किसी दूसरी महिला की इस्तेमाल की हुई बिंदी खुद लगा लेती हैं। लेकिन ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना गया। ऐसा करने से आपके भाग्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

न साझा करें ये चीजें

ज्योतिष शास्त्र में सुहागिन महिला द्वारा पैरों में पहने जाने वाले बिछिया और पायल का संबंध 'शुक्र' से माना गया है, जो सुख-सुविधाओं के कारक हैं। इसलिए इन्हें उतारकर किसी को दे देने का अर्थ है कि आप अपने सौभाग्य का भी दान कर रही हैं।

इससे न केवल रिश्तों में खटास आती है, बल्कि परिवार को आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। इसके साथ ही एक सुहागिन स्त्री को अपनी चूड़ियां भी किसी दूसरों को उपयोग के लिए नहीं देनी चाहिए। इससे भी आपके सौभाग्य पर बुरा असर पड़ता है।

शनि उदय मीन राशि में, 12 को हो सकता है वृषभ, मिथुन समेत पांच राशियों की लाइफ में बड़ा बदलाव

शनि का उदय गुरु की राशि मीन में 12 अप्रैल, रविवार के दिन होने जा रहा है। शनि के उदित होने से सभी 12 राशियों पर इसका प्रभाव देखने को मिलता है। कुछ राशियों को लाभ मिलता है, तो कुछ जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता होती है। पंचांग दिवाकर के अनुसार, शनि मीन राशि में 8 मार्च, रविवार से अस्त चल रहे थे। वहीं, अब 12 अप्रैल को करीब सुबह 5 बजे मीन राशि में उदित होंगे। इसके प्रभाव से वृषभ, मिथुन सहित 5 राशियों को जीवन में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है और सामाजिक दायरा बढ़ने के भी संकेत हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि शनि उदय किन-किन राशियों के लिए शुभ रहेगा।

वृषभ राशि : आर्थिक लाभ के मौके मिलेंगे

शनि उदय वृषभ राशि के ग्यारहवें भाव में होने जा रहा है। इसके प्रभाव से आपको लाभ मिलने के संकेत हैं। आपको जिन विषयों में अधिक रुचि है उनके बारे में गहराई से जानने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धर्म और अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नेटवर्क बढ़ने से फायदा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ेगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी शनि का प्रभाव अच्छा रहने वाला है। घर-परिवार के मामले में भाइयों के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण रहेगा।

मिथुन राशि : विशेष सम्मान या पुरस्कार मिलने के संकेत

आपके कर्म भाव यानी दसवें भाव में शनि का उदय होगा। यह मिथुन राशि के जातकों को अधिक मेहनत और योजनाओं के साथ काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है। मेहनत तो करनी होगी वहीं, साथ-साथ सफलता मिलने के योग भी बन रहे हैं। आपको किसी अच्छे मार्गदर्शक का सहयोग मिलेगा। वहीं, किसी सम्मान और पुरस्कार मिलने के संयोग है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। साथ ही, किसी शुभ काम में भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा क्योंकि, खर्चे बढ़ने के संकेत हैं। इस समय छोटी अवधि के निवेश की बजाए बड़ी अवधि के निवेश करना लाभदायक सिद्ध होगा।

तुला राशि : बैंकिंग संबंधी कार्यों में लाभ होगा

शनि उदय तुला राशि के छठे भाव में होने जा रहा है। शनि आपकी राशि के लिए योगकारक ग्रह हैं। ऐसे में उनका उदय होना आपके कार्यक्षेत्र के लिए शुभ रहेगा। बैंकिंग से जुड़े कार्यों में लाभ मिलने के संकेत हैं। अगर लोन से संबंधित कोई कार्य अटका हुआ था तो उसकी बाधा भी दूर हो सकती है। यदि किसी प्रतियोगिता या परीक्षा में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं, तो उसके लिए यह समय अनुकूल रहेगा। हालांकि, पारिवारिक मामलों में आपको सावधान रहना होगा। तनाव और घरेलू खर्च बढ़ने के संकेत बने हुए हैं। इस समय वाद-विवाद की स्थिति से स्वयं को दूर रखें। अनचाहे यात्रा के संयोग भी बन सकते हैं। लेकिन जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं उन्हें सफलता मिल सकती है।

धनु राशि : घर या वाहन खरीद सकते हैं

आपकी राशि से चतुर्थ भाव में शनि का उदय होगा। इसके प्रभाव से धनु राशि की वाणी और संचार कौशल में बेहतरी देखने को मिलेगी। अगर आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे थे तो अब राहत मिल सकती है। साथ ही, आपकी आर्थिक स्थिति सुधरने के भी योग हैं। घर या वाहन खरीदने का विचार बना सकते हैं। रिनोवेशन के कार्य में भी आप अपने पैसा लगा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर जीत हासिल करेंगे। हालांकि, काम का प्रेशर भी बना रह सकता है जिसके चलते आपको अधिक मेहनत करनी होगी। वहीं, कुछ नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं।

मकर राशि : प्रबंधन क्षमता से फायदा मिलेगा

शनि का उदय मकर राशि के तीसरे भाव में होने जा रहा है। जो आपके लिए शुभ हो सकता है। इसके प्रभाव से सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। सामाजिक नेटवर्क बेहतर होने से फायदा मिलने के योग हैं। कारोबार के क्षेत्र में साहसिक फैसले ले सकते हैं। वहीं, प्रबंधन क्षमता का भी आपको फायदा मिलने के संकेत हैं। परिवार में भाई और बहनों का सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। दोस्तों के साथ भी अच्छा तालमेल बना रहेगा। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को शिक्षा पर ध्यान देना होगा। मानसिक भटकाव रह सकता है। वहीं, जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, तो उन्हें अब सफलता मिल सकती है।

राजपाल यादव ने अवॉर्ड शो विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोले

ये सिर्फ एक एक्ट था, किसी को गलत ना समझें

हाल ही में एक अवॉर्ड शो के दौरान हुए विवाद ने अभिनेता राजपाल यादव को लेकर काफी चर्चा पैदा कर दी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यह दावा किया गया कि मंच पर मजाक के नाम पर उनका अपमान किया गया। कई लोग इस घटना से नाराज दिखे और शो के होस्ट्स पर सवाल उठाने लगे। अब खुद राजपाल यादव ने इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। राजपाल यादव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''मैं खुशकिस्मत था कि मुझे कुछ दिन पहले स्क्रीन अवॉर्ड्स में जाने का मौका मिला। मुझे वहां पूरी इंडस्ट्री से मिलने का मौका मिला। वहां डांस, स्किट और सिंगिंग का मौहाल था। शो में कई तरह के एक्ट्स चल रहे थे, जिनका मकसद लोगों का मनोरंजन करना था। उसी दौरान एक एक्ट भी किया गया, जिसमें मैं खुद शामिल था।''

राजपाल यादव ने बताया कि इस एक्ट में मंच पर सौरभ द्विवेदी और जाकिर खान भी थे। इस एक्ट का मकसद दुनिया की मौजूदा स्थिति को हल्के-फुल्के अंदाज में दिखाना था। आज के समय में दुनियाभर में युद्ध और आर्थिक उतार-चढ़ाव चल रहा है, जिसका असर आम आदमी पर पड़ता है। इसी बात को लेकर हमने एक छोटा सा नाटक तैयार किया था, ताकि दर्शकों को सोचने के साथ-साथ हंसी भी आए।

उन्होंने कहा, ''कई बार फिल्मों या स्टेज पर किया गया सीन दर्शकों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पाता। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जहां लोगों ने उस एक्ट को असल घटना समझ लिया। इसी वजह से सोशल मीडिया पर गलतफहमी फैल गई और लोगों ने होस्ट्स को निशाना बनाना शुरू कर दिया।''

राजपाल यादव ने कहा, ''सौरभ द्विवेदी और जाकिर खान मेरे छोटे भाइयों जैसे हैं और उन्होंने हमेशा मेरा सम्मान किया है। इन दोनों कलाकारों ने मंच पर हमेशा आदर दिया है और पूरे ऑडिटोरियम को खड़े होकर तालियां बजाने के लिए प्रेरित किया। मैं इन दोनों को दिल से मानता हूं और इनके खिलाफ कुछ भी गलत सुनना मुझे अच्छा नहीं लगता।''

उन्होंने अपने फैंस और दर्शकों से खास अपील करते हुए कहा, ''कृपया किसी भी कलाकार को बिना सच्चाई जाने ट्रोल न करें और न ही किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाएं। अगर कोई सौरभ या जाकिर के बारे में कुछ गलत कहता है, तो उससे मुझे दुख होगा।''

भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन में किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला : शुभांगी अत्रे

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' बेहद खास और शानदार अनुभव देने वाला रहा। शुभांगी ने बताया कि फिल्म से उनके किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपनी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में अंगूरी भाभी के किरदार को तैयार करने के बारे में खुलकर बात की है। शुभांगी ने बताया कि उन्होंने अपने इस पसंदीदा किरदार को कैसे निभाया और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए क्या ख्याल रखा।

शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं!' टीवी सीरीज में अंगूरी भाभी के रोल के लिए खासा लोकप्रिय हैं। अब इसी किरदार के साथ वे बड़े पर्दे पर भी आ चुकी हैं। फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' पर आधारित है, लेकिन इसमें नई कहानी, नई जगहें और नया रोमांच है।

जब शुभांगी से पूछा गया कि टीवी शो से फिल्म में आने के बाद उनके अभिनय के तरीके में कोई बदलाव आया या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने बताया कि किरदार के प्रति पूरी ईमानदारी बनाए रखना सबसे जरूरी था। दर्शक पिछले दस साल से अंगूरी भाभी को जिस तरह पसंद करते आ रहे हैं, उसी तरह उसे निभाना था।

शुभांगी ने कहा, लोग आपको इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि आप उस किरदार को ठीक उसी तरह निभाते हैं, जैसा वे चाहते हैं। फिर भी फिल्म में नई स्थितियां और नई कहानी के कारण किरदार को थोड़ा नया आयाम मिला है, जिसे एक्सप्लोर करना बहुत रोमांचक रहा।

अभिनेत्री के अनुसार, अंगूरी भाभी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह बेहद सरल, मासूम और हंसाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि दस साल तक दर्शकों का इतना प्यार मिलना किसी भी शो के लिए बड़ी बात है। अब वही प्यारे किरदार बड़े पर्दे पर नई कहानी, खूबसूरत लोकेशन्स और शानदार कलाकारों के साथ नजर आ रहे हैं और नए अंदाज में दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहे हैं।

शुभांगी ने फिल्म को पूरी तरह मनोरंजन से भरपूर बताया। उन्होंने दर्शकों से अपील की, यह फिल्म हंसी और मजे से भरी हुई है। आप इसे एक बार में पूरा आनंद ले सकते हैं। इसलिए इसे जरूर देखें, खूब हंसें, मजे करें और प्यार बांटें।'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' अब जी5 प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। फिल्म में अंगूरी भाभी के अलावा अन्य किरदारों को भी नई एनर्जी और खास अंदाज के साथ पेश किया गया है, जो दर्शकों के भरपूर मनोरंजन का वादा करती है।

चांद मेरा दिल का टीजर आउट

मोहब्बत की नई परिभाषा लेकर आए अनन्या-लक्ष्य

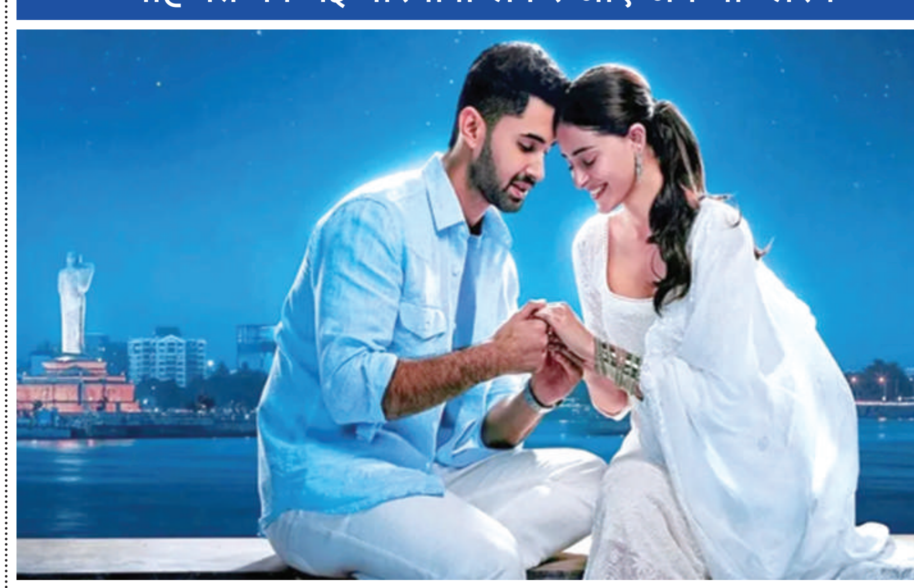

अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता लक्ष्य जल्द ही दर्शकों के लिए रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'चांद मेरा दिल' लेकर आएंगे। मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में प्यार की खुशियों के साथ-साथ उसकी मुश्किलों और जटिलताओं को भी खूबसूरती से दिखाया गया है। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का टीजर जारी किया। उन्होंने लिखा, हर पहली मोहब्बत को दूसरा मौका नहीं मिलता। आइए देखें आरव और चांदनी का प्यार का सफर। 'चांद मेरा दिल' का टीजर जारी कर दिया गया है। 1 मिनट 32 सेकंड का टीजर इंटेंस लव स्टोरी पेश करता है। इसमें दोनों कलाकार एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबे नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरुआत संगीत की धुन से होती है। फिर बैकग्राउंड में लक्ष्य की आवाज आती है, 'प्यार में थोड़ा पागल तो होना ही पड़ता है।'

इसके बाद अनन्या और लक्ष्य साथ में नजर आते हैं। दोनों की केमिस्ट्री काफी आकर्षक लगती है। अनन्या बोलती हैं, हमारी लव स्टोरी तो लीजेंड्री बन गई। इस पर लक्ष्य जवाब देते हैं, लीजेंड्री लव स्टोरी की एंडिंग ही तो ट्रैजिक होती है।टीजर आगे बढ़ता है, तो कहानी में अचानक दर्दनाक मोड़ आता है। अनन्या अपने प्यार के लिए तड़पती नजर आती हैं। टीजर में कुछ भावुक पल भी दिखाए गए हैं, जिसने फैंस के मन में फिल्म को लेकर और दिलचस्पी बढ़ा दी है।

चांद मेरा दिल का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसकी कहानी राहुल नंदा ने लिखी है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का सह-निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला और अपूर्वा मेहता ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' में अनन्या और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह लक्ष्य की तीसरी बड़ी फिल्म है, जबकि अनन्या पहले भी कई हिट फिल्में कर चुकी हैं। हालांकि, लक्ष्य भी इससे पहले कुछ फिल्मों के जरिए अपने अभिनय का हुनर दिखा चुके हैं। अभिनेता ने इससे पहले 'किल' और आर्यन खान की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की थी, जिससे उन्होंने काफी चर्चाएं बटोरी थी।

पुलकित सम्राट की ग्लोरी का दमदार टीज़र रिलीज

दमदार टोन और पावरफुल विजु-अल्स के साथ आखिरकार पुलकित सम्राट की वेब सीरीज़ ग्लोरी का टीज़र रिलीज हो चुका है और इसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। अपने पिछले किरदारों से अलग ग्लोरी में पहली बार बॉक्सर के रूप में, नज़र आ रहे पुलकित सम्राट ने अपने ऑन-स्क्रीन इमेज में एक बड़ा बदलाव किया है। अपने रोमांटिक और कॉमिक किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले पुलकित इस बार एक जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ सामने आए हैं। टीज़र में दर्शकों को उनकी ज़बरदस्त फिजीक के साथ सख्त ट्रेनिंग, इमोशनल पलों और दमदार बॉक्सिंग सीक्वेंसेज़ की झलक देखने को मिली है, जो संघर्ष, जज़्बे और खुद को साबित करने की कहानी की ओर इशारा करती है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए पुलकित ने कहा, मुझे ग्लोरी की दुनिया की सच्चाई ने खींचा, जो कठिन और बेरहम है, लेकिन यही इसे खूबसूरत भी बनाती है। दरअसल यहां हर जीत मायने रखती है और हर कदम ज़रूरी है। रवि रिएक्ट नहीं करता, वो सब कुछ अपने अंदर समेटता है। वो बाहर से शांत है, लेकिन अंदर आग है उसके और उसका यही संतुलन, उसकी असली ताकत है।

इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि ग्रेटनेस बार-बार उठकर खड़े होने में है, फिर चाहे कितना भी दर्द क्यों न हो इसलिए चैंपियन वही बनते हैं, जो हर मुश्किल से गुजरते हैं। फिलहाल इस सफर के लिए आभारी हूं और ये तो बस एक झलक है। मोहित शाह और करण अंशुमान द्वारा निर्मित और करण अंशुमान के निर्देशन में बनी सीरीज़ ग्लोरी में पुलकित सम्राट के साथ दिव्येंदु शर्मा और सुविंदर विकी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

पार्वती थिरुवोथु : एक्ट्रेस का वो पर्सनल साइड जो सबको नहीं पता !

पार्वती थिरुवोथु ने इंडियन सिनेमा में अपनी एक अलग ही जगह बना ली है- निडर, ज़बरदस्त टैलेंटेड और पूरी तरह बेबाक! उनके दमदार एक्टिंग और मज़बूत पर्सनैलिटी के तो सब फैन हैं लेकिन उनके अंदर एक बेहद प्यारा, थोड़ा अजीब और बहुत पर्सनल साइड भी है, जो हर किसी को देखने को नहीं मिलता। उनके बर्थडे पर, भरोसेमंद जानते हैं उनके बारे में कुछ ऐसे मज़ेदार फैक्ट्स जो उन्हें और भी प्यारे बना देते हैं। जब पार्वती को मी टाइम चाहिए होता है, तो वो पेंटिंग में खो जाती हैं। ये उनका पसंदीदा शौक है, लेकिन ट्विस्ट ये है कि वो इसे पूरी तरह प्राइवेट रोल हैं। अलग-अलग मीडियम में पेंट करती हैं, लेकिन शेयर नहीं करतीं - क्योंकि उनके लिए ये आर्ट नहीं, प्योर पीस है। एकदम सोल डिटॉक्स!

पार्वती का खाना बहुत सिंपल और देसी है - उन्हें सांभर से इश्क है! और ऐसा नहीं उन्होंने मजाक में कहा था कि अगर मुमकिन होता, तो वो सांभर से शादी कर लेतीं = लेकिन ध्यान रहे - सिर्फ ऑथेंटिक साउथ इंडियन स्टाइल सांभर, बिल्कुल मीठा वर्शन!

दिल के बहुत करीब वाली फिल्म कई फिल्मों में से द आवर्स उनके दिल के सबसे करीब है। स्टीफन डाल्ड्री की ये फिल्म उन्होंने अपनी ज़िंदगी के एक ऐसे फेज़ में देखी थी, जब इसने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें एक्टिंग और स्टोरीटेलिंग से इतना प्यार क्यों है। उनके लिए ये सिर्फ एक पसंदीदा फिल्म नहीं, बल्कि एक इमोशनल एंकर है।

आज भले ही वो शानदार एक्ट्रेस हैं, लेकिन शुरुआत में उनका सपना कुछ और था - क्रिएटिव राइटिंग और जर्नलिज़्म! वो इसके लिए विदेश में कोर्स तक अप्लाई कर रही थीं। एक्टिंग तो बस ट्राई किया और फिर उसी से प्यार हो गया। मज़ेदार बात? वो आज भी उस पुराने सपने को पूरी तरह नहीं छोड़ा है!

पार्वती खुद को गर्व से पॉलीग्लॉट कहती हैं - यानी भाषाएँ सीखने में उनका कोई मुकाबला नहीं! वो बहुत जल्दी नई भाषाएँ पकड़ लेती हैं, चाहे रोल के लिए हो या बस जिज्ञासा में। यही वजह है कि वो मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी सिनेमा में इतनी आसानी से काम करती हैं।

पार्वती थिरुवोथु की यही बात उन्हें अलग बनाती है - वो सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस नहीं, बल्कि एक बहुत ही दिलचस्प इंसान भी हैं। ऑन स्क्रीन हो या ऑफ स्क्रीन उनका हर साइड बराबर इंस्पायरिंग है।

पति से बहस के बाद साउथ अभिनेत्री सुभाषिनी ने किया सुसाइड!

जन्मदिन से छह दिन पहले क्यों दी जान? पुलिस ने शुरू की जांच

दक्षिण भारत की चर्चित टीवी अदाकारा सुभाषिनी नहीं रहीं। कथित तौर पर उन्होंने सुसाइड किया है। एक्ट्रेस ने पारिवारिक झगड़े के बाद यह कदम उठाया।

तमिल टीवी इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। पारिवारिक विवाद के बाद अभिनेत्री ने कथित तौर पर फांसी लगाकर जान दी है। उन्होंने अपने जन्मदिन से चंद दिन पहले यह कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुभाषिनी ने अपने चेन्नई स्थित आवास पर सुसाइड की।

मूल रूप से श्रीलंका की थीं सुभाषिनी

सुभाषिनी के निधन की खबर ने फैंस और इंडस्ट्री को शॉक कर दिया है। सुभाषिनी ने सीरियल 'कयाल' के जरिए दर्शकों के बीच अच्छी पहचान बनाई। वे मूल रूप से श्रीलंका की रहने वाली थीं। उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म 'इनी अवन' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। उन्होंने कुछ शॉर्ट फिल्मों और सोशल अवेयरनेस वीडियो में भी काम किया था।

वीडियो कॉल पर पति से हुई थी बहस

श्रीलंकाई मूल की सुभाषिनी चेन्नई के इयप्पनथंगल में एक अपार्टमेंट में रह रही थीं। कथित तौर पर उन्हें इसी अपार्टमेंट में सुसाइड किया। पुलिस अधिकारियों ने उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। आगे की जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडियो कॉल पर सुभाषिनी की अपने पति से बहस हुई थी। अधिकारियों ने इशारा किया है कि मानसिक परेशानी की वजह से उन्होंने यह कदम उठाया होगा।

छह दिन बाद था अभिनेत्री का जन्मदिन

सुभाषिनी ने अपने जन्मदिन से चंद रोज पहले इस दुनिया को अलविदा कह दिया। 12 अप्रैल को वे अपना जन्मदिन मनाने वाली थीं। इतना ही नहीं, इसी महीने 21 अप्रैल को उनकी शादी की दूसरी सालगिरह थी। सुभाषिनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती थीं। इंस्टाग्राम पर उनके चार लाख से ज्यादा फॉलोवर्स थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पड़ेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अप्रैल 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 07:05 तक
नक्षत्र : मूल अहोरात्र
योग : वयियान सायं 05:09 तक
करण : वणिज रात्रि 07:05 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , भद्रा रात्रि 07:05 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सम्मेलन से नवाचार होंगे साझा, कृषि को मिलेगी नई दिशा : शिवराज सिंह चौहान

जयपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारत की रीढ़ है तथा किसान इस देश की आत्मा हैं। केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उनके जीवन स्तर में सुधार करते हुए कृषि में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने राजस्थान में कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि का रोडमैप तैयार किया गया है। चौहान ने अन्य राज्यों को भी इस नवाचार का अनुसरण करने का संदेश दिया। चौहान ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में पहला क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का शुभारंभ राजस्थान से किया गया है। उन्होंने खेती से जुड़े इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का राजस्थान में आयोजन होने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा तथा राजस्थान राज्य शामिल है तथा इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा। साथ ही, सम्मेलन से राज्यों के बीच आपसी समन्वय व नवाचारों को भी साझा कर कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं। पहला, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना जिससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति मिले। दूसरे लक्ष्य के तहत किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, तीसरे लक्ष्य के रूप में खाद्य सुरक्षा के साथ–साथ पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए उत्पादन वृद्धि, कृषि का विविधीकरण और एकीकृत कृषि प्रणाली जैसी पहलों के माध्यम से पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।चौहान ने कहा कि सभी राज्य मिशन मोड पर कार्य करते हुए फार्मर आईडी के तहत 100 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण करवाए जिससे किसानों को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके। प्राकृतिक आपदाओं द्वारा उत्पन्न जोखिमों से किसानों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन करें, जिससे किसानों को बीमा योजना का लाभ त्वरित मिल सके।

चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह तय किया है कि देश की कृषि योजनाओं में राज्यों को उनकी भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार देय राशि में लचीलापन दिया जाए, जिससे योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो सके। उन्होंने राज्यों को कृषि बजट के तहत आवंटित राशि का प्रभावी उपयोग तथा फसलों की एमएसपी पर समय से खरीद सुनिश्चित करने के लिए भी कहा, ताकि किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी राज्य विकसित कृषि संकल्प अभियान आयोजित करें जिसमें केंद्र सरकार द्वारा पूरा सहयोग किया जाएगा।केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि राजस्थान में कृषि के संभावनाओं को देखते हुए कृषि के रोडमैप बनाने की पहल की गई है। अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर कृषि का रोडमैप बनाए। केंद्र सरकार राज्य के इस रोडमैप को और सुदृढ़ बनाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों की टीम भेजकर सहयोग प्रदान करेगी, ताकि प्रदेश में कृषि विकास को और गति मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी समय में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का भी आयोजन किया जाएगा।

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जल्द कई शहरों में आएंगी नई आवासीय योजनाएं

जयपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में राजस्थान आवासन मण्डल आम आदमी के आवास का सपना पूरा करने के लिए अविराम प्रयासरत है। राज्य सरकार की बजट घोषणा 2026–27 की क्रियान्विति में जल्द ही प्रदेश के विभिन्न जिलों–जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, टोंक, नागौर, अलवर, करौली और भीलवाड़ा में विभिन्न आय वर्गों के लिए नई आवासीय योजनाएं लॉन्च करने जा रहा है। इन योजनाओं के अंतर्गत फ्लैट्स और स्वतंत्र आवास दोनों प्रकार के विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे ईडब्लूएस, एलआईजी, मध्यम आय वर्गों और उच्च आय वर्गों के परिवारों को किफायती, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराया जा सकेगा। इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और विकास कार्यों में तेजी लाने को लेकर मंगलवार को आवास भवन में आवासन आयुक्त अरविंद पोसवाल ने अहम बैठक ली।

पोसवाल ने कहाकि राज्य सरकार की मंसानुरूप आवासन मण्डल आम जन के आवास के सपने को साकार करने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने अभियंताओं एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन नवीन योजनाओं से संबंधित सभी कार्यों को सर्वोच प्राथमिकता के साथ पूरा करें साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि इनके निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।पोसवाल ने कहाकि चाहे ई नीलामी हो या आवासीय योजना, सैंकड़ों आवेदन और नीलामी द्वारा अर्जित करोड़ों का राजस्व इस बात का प्रमाण है कि आज भी आवासन मण्डल संपत्तियों में निवेश एवं घर खरीदने के लिए लोगों की पहली पसंद है। हमें हरसंभव प्रयास करना है कि हम इस प्रथम पायदान पर बने रहें और भविष्य में भी मण्डल के प्रति लोगों के विश्वास और रुझान को कायम रख सकें।

दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश

जयपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की कियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026–27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का समयबद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्यवयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर मिल सकती है। इसके साथ ही वहां आने वाली गर्भवति एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के साथ बेहतर समन्वय कर शाला पूर्व शिक्षा की गतिविधियों का सघनता से संचालन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों को राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित करवाने हेतु कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए।आंनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत,पेय जल और क्रियाशील शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चत किया जाए और इस हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जाए इस हेतु भी उन्होंने निर्देश दिए। उन्होंन प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आंगनबाडी केन्द्रों को नंदघर में विकसित किये जाने तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वित्तीय वर्ष में तय लक्ष्यों के समय पर पूरा किया जाए।

भाजपा सरकार मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के निर्माण में देरी कर रही: अशोक गहलोत

जयपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के धीमे निर्माण को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा प्रशासन इस क्षेत्र की आकांक्षाओं की रक्षा करने में विफल रहा है। अपनी 'इंतजार शास्त्र' डिजिटल सीरीज के 16वें अध्याय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 500 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट सरकारी उदासीनता का शिकार हो गया है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं है, बल्कि मारवाड़ के प्रति एक सोची–समझी सौतेली व्यवहार है। उन्होंने आगे कहा कि 31 मार्च, 2027 की प्रोजेक्ट पूरा होने की डेडलाइन अब सिर्फ कागजों पर एक सजावट जैसी लगती है। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रति दूरदर्शिता की कमी दिखाने के बाद, सरकार अब मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी की भी अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं है, बल्कि मारवाड़

के प्रति एक सोची–समझी सौतेली व्यवहार है। इस क्षेत्र के लोग विकास परियोजनाओं के पूरा होने का इंतजार करते–करते थक चुके हैं।

गहलोत ने याद दिलाया कि इस यूनिवर्सिटी की घोषणा कांग्रेस सरकार के 2023–24 के बजट में की गई थी, जिसका मकसद पश्चिमी राजस्थान, खासकर जोधपुर में मेडिकल शिक्षा और रिसर्च को मजबूत करना था।उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से पूरे क्षेत्र के कई संस्थानों को फायदा होने और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि 2018 से 2023 तक कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान, सरकार ने स्वास्थ्य सेवा की क्षमता बढ़ाने के लिए 12 नए मेडिकल कॉलेज और 29 नर्सिंग कॉलेजों की घोषणा की थी।

दिग्विजय चौटाला की भाजपा सरकार को चेतावनी

छात्र संघ चुनाव की बहाली नहीं हुई तो ईंट से ईंट बजा देंगे

चंडीगढ़, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा में प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग उठाते हुए सरकार को चेतावनी दी है। दिग्विजय ने कहा कि अगर तीन महीने के अंदर भाजपा सरकार प्रदेश में प्रत्यक्ष रूप से छात्रसंघ चुनाव करवाने का नोटिफिकेशन जारी नहीं करती है तो इनसो युवाओं को साथ लेकर बड़ा आंदोलन करेगी और ईंट से ईंट बजाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आम घरों के बच्चों को राजनीति में सक्रिय करने के लिए छात्र चुनाव की बहाली बेहद जरूरी है। मंगलवार को दिग्विजय चौटाला कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इनसो द्वारा आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को धर्म के नाम पर बांटकर शिक्षण संस्थानों को आरएसएस का अड्डा बनाना चाहती है, जो कि किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में हरियाणा के पढ़ने वाले विद्यार्थियों का हक है, जिसके साथ छेड़छाड़ नहीं होनी दी जाएगी।

गलत नीतियों की मार झेल रहा किसान, संकट गहराया : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने नूंह और तावडू के मंडियों का दौरा कर किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने किसानों को आ रही दिक्कतों को लेकर राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार किसानों को राहत देने के बजाय दिन–प्रतिदिन उन्हें परेशान करने में लगी हुई है।

उन्होंने बताया कि गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से शुरू होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू नहीं हो पाई है। मंडियों में केवल नाम मात्र की खरीद हो रही है और कुल उत्पादन का बेहद कम हिस्सा ही उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में लिफ्टिंग की व्यवस्था चरमराई हुई है और ग–त्री नहीं बनने के कारण किसानों को समय पर भुगतान भी नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा गेट पास जारी करने में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं, वहीं बायोमेट्रिक और ट्रैक्टर–ट्रॉली वेरिफिकेशन, पोर्टल का सुचारू रूप से ना चलना जैसी प्रक्रियाओं ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार खुद को डबल इंजन सरकार बताती है, ऐसे में उसे केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए।

भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग को कमजोर कर रही : चौटाला

चंडीगढ़, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मंडियों में फैली अव्यवस्था के लिए पूरी तरह भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि एक अप्रैल से गेहूं की खरीद के सरकार के दावे हवा हवाई निकले। उन्होंने कहा कि बेमौसम बरसात के चलते किसान परेशान है और सरकार की विफलता के चलते उन पर दोगुनी मार पड़ी है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार में कृषि मंत्री बरसात से गेहूं की औसत में इजाफे की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पता होने चाहिए कि पकी पकाई फसल पर बरसात होने से फसल की चमक पर असर पड़ता है और दाम में कटौती होती है। दुष्यंत चौटाला ने मांग करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार को लस्टर लॉस की भरपाई के लिए केंद्र सरकार से अनुमति लेनी चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सके। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि किसानों को फसल भुगतान का पैसा भी समय पर नहीं मिल रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब में व्यस्त है और उन्हें हरियाणा की मंडियों में अपनी फसल बचने के लिए परेशान हो रहे किसानों की कोई परवाह नहीं है।

बंगाल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बन रही है सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बंगाल की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनाना चाहते हैं। इसलिए बंगाल में चारों तरफ भाजपा की लहर चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याशी का नामांकन भरने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याक्षी के पक्ष में रोड शो कर लोगों से भाजपा के समर्थन में वोट डालने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लगातार कम्युनिष्ट पार्टी ने बंगाल के लोगों का शोषण किया है। बड़ी अपेक्षा के साथ लोगों ने ममता बनर्जी की सरकार बनाई थी, लेकिन इस सरकार ने कम्युनिस्टों से भी ज्यादा अत्याचार किए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल के लोगों ने अब मन बना लिया है कि बीजेपी सरकार बनानी है बंगाल में ना रोजगार है, ना किसानों की एमएसपी पर फसल बिक रही है और न ही उचित मूल्य दिया जा रहा है। बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी महिलाओं की सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार ने जिस प्रकार का ताण्डव किया है, उससे जनता त्रस्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने घुसपैठियों को संरक्षण देने का कार्य किया है। इससे हमारी आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताने–बाने को ठेस पहुंचाने का काम किया है। भ्रष्टाचार में फसी हुई ममता सरकार स्वंय को साधारण होने का दिखावा करती है लेकिन उनकी सरकार में बड़े बड़े घोटाले हो रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गरीब लोगों की भलाई के लिए कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने अब तक 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का कार्य किया है। भाजपा की नीतियों से गरीब व्यक्तियों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की बहुत सारी जनहितैषी नीतियां हैं लेकिन पश्चिमी बंगाल में एक भी नीति को लागू नहीं किया गया।

संपादकीय

जरूरतों तक विकास

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है। सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से बस स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीफ करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं। कान्वेंशन सेंटर देगची पर चढ़ी खिचड़ी हो गया, तो विकास से पहले जहां सींग उगते हैं, उन परियोजनाओं पर रहम कौन करेगा। हम किसी भाजपा के विधायक से सुनेंगे, तो विकास गुजरे जमाने की दास्तान है और सत्तारूढ़ दल के विधायक बताते रहेंगे कि कितने कोस चल चुके हैं। हमने स्मार्ट सिटी के तहत शिमला-धर्मशाला की जागीर खोद दी। शिमला के शृंगार में लोहे का इस्तेमाल किसके आंचल में छेद कर रहा है, यह देखने की फुर्सत नहीं। धर्मशाला के स्मार्ट रोड के डक्ट में बहती गंदगी, एक नया अवतार है। आश्चर्य यह कि कहीं भवनों पर पेड़ उगे हैं, तो कहीं मिट्टी के ढेर लगे हैं। विकास की पैमाइश में ठेकेदारी प्रथा बदल गई। अधूरी संरचना, मलबे के ढेर और बिलों के भुगतान से खतरा यह कि निर्माण अब दर्द देता है। नगर निगम तो बढ़ गए, लेकिन शहरी जरूरतों के खाके में न सपने हैं और न ही सपनों को पूरा करने का बंदोबस्त। बेशक कारवां बड़ा हो गया, लेकिन मंजिल का पता नहीं। हमें यह पता है कि विकास के उच्चारण में कुछ ईंटें उठा लो, भले ही जरूरत का इंतखाब हो या न हो। हिमाचल के कितने सरकारी कार्यालयों के पास माकूल पार्किंग सुविधा है और अगर नहीं है, तो हमारी योजना क्या है। कितने गांवों से शहरों तक हमें सामुदायिक मैदान चाहिएं, लेकिन हमारी योजना कहां है। जरूरतें जहां चीख रही हैं, वहां हमारे विकास का इंतखाब नहीं।

योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है।

कुछ अलग

भीतरी अदालत का न्याय संवारेगा जीवन

आए दिन समाज में ऐसी खबरें आती हैं कि धनाढ्य और जीवन में सफल लोगों का व्यक्तिगत जीवन भी अशांत है। वे न केवल शारीरिक रूप से ही अस्वस्थ थे बल्कि मानसिक रूप से भी उतने ही अशांत होते हैं। जीवन में तमाम कामयाबियों व धन-दौलत जुटाने के बाद भी ऐसे लोगों को नींद नहीं आती। हमारी नींद का सीधा रिश्ता हमारे कार्यों की गुणवत्ता और जीवन की सहजता से होता है। मानवीय श्रम भी उसका एक बड़ा कारक है। धारणा बनने लगी है कि आज के गलाकाट स्पर्धा दौर में तुरंत सफलता व संपदा खालिस मेहनत-ईमानदारी से हासिल नहीं होती। एक व्यापारी को अपने मुनाफे के लिए दिन में सौ बार झूठ बोलना पड़ता है। रात को जब वह बिस्तर में सोने जाता है तो दिनभर के खटकर्म उसे सोने नहीं देते। उसके अंतर्मन की अदालत उसके कृत्यों का हिसाब-किताब मांगती है। व्यक्ति चाहकर भी अपनी दौलत, शोहरत और सुख-सुविधाओं का सुख नहीं भोग पाता है। वास्तव में जिसे हम सफलता मानते हैं वह बाहरी दुनिया का बहलावा मात्र है। जरूरी नहीं कि वह हमें सुख और मानसिक शांति भी दे। व्यक्ति जब भी कोई अन्याय या शोषण करता है तो उसका अंतर्मन उसे सचेत करता है। उसे अहसास कराता है कि क्या सही है और क्या गलत है। मनुष्य की भीतरी चेतना उसे गलत के प्रति सचेत करती है। अच्छा इंसान व संत तो इसे सुनकर अपनी नीति व कार्यशैली का निर्धारण करता है, लेकिन संवेदना खो चुका व्यक्ति इसे नजरअंदाज कर देता है। सही मायनों में हर व्यक्ति के भीतर यह न्याय व्यवस्था निरंतर चलती रहती है। वैसे तो दुनियावी अदालतें भी न्याय देने का काम करती हैं।

टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है।

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे "हम लोग", "बुनियाद", "संजीवनी", "बालिका वधू", "उड़ान", "तारक मेहता का उल्टा चश्मा" आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

देश दुनिया से

रणनीति में युद्ध समाप्ति कला की अहमियत

आजकल युद्ध खत्म नहीं होते। खिंचते जाते हैं, अपना स्वरूप बदल रहे हैं और खुद को जायज ठहराते हैं। यह रणनीति नहीं है। यह रणनीतिक रूपरेखा की असफलता है। मैंने युद्धों को खत्म होते देखा, और उन्हें खत्म होने से इनकार करते भी। सेना में, हमें युद्ध शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम आरंभिक व्यूह रचना, ज़ोरदार हमले, शत्रु का घेरा तोड़ने व इच्छाशक्ति कुचलने का अध्ययन करते हैं। युद्ध का विस्तार करना समझते हैं। लेकिन एक अन्य शांत अनुशासन है जो कभी रणनीति को परिभाषित करता था, लेकिन अब धीरे-धीरे धुंधला रहा है। वह है, रुकने की कला। जिन संघर्षों का अंत बढ़िया हुआ, उनकी संरचना सीधी-सादी थी। दुश्मन को पूरी तरह मिटाना नहीं, बल्कि उद्देश्य में स्पष्टता रखना। तब, किसी में इतनी हिम्मत होती थी कि वह फैसला कर सके कि मिशन पूरा हो गया है। इसलिए नहीं कि दुश्मन का खात्मा हो गया, बल्कि इसलिए कि काम पूरा हो गया था। बल का इस्तेमाल हुआ। तयशुदा सीमा तक पहुंचे। फिर आया सबसे मुश्किल आदेश : रुको। घर वापसी करो। आज, वह माद्दा गायब है। कोई फैसला नहीं करता। संघर्ष खिंचते रहते हैं। बिना किसी तय अंत वाला युद्ध कोई अभियान नहीं होता। यह तो जान-माल की हानि के साथ भटकाव है।

भारत का 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) : हमें किसी मानक की तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। साल 1971 में, भारत ने आधुनिक इतिहास के सबसे निर्णायक अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह सिर्फ़ जीत नहीं थी। यह उसके बाद बरते गए संयम का उदाहरण था। हम वहां रुके नहीं रहे। हमने अपनी जीत को कब्ज़े में नहीं बदला। हमें भान था कि 'पूरा हुआ काम' कैसे दिखता है। 1988 में मालदीव में, हमने दखल दिया, व्यवस्था बहाल की और वापसी कर ली। पीछे कुछ बाकी नहीं छोड़ी। कोई अन्य एजेंडा नहीं। प्रभाव अधिकतम, दखल न्यूनतम। यहां तक कि श्रीलंका में भी, जहां पर हालात बहुत पेचीदा थे, हमने तब पीछे हटने का अनुशासन दिखाया, जब हमें लगा कि अब वहां से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला। भारत का संयम सिर्फ़ इसमें नहीं था कि उसने क्या किया, बल्कि इस बात में भी था कि उसने किन चीज़ों पर हमला न करना चुना। बुनियादी ढांचे को कभी भी निशाना नहीं बनाया। इसी आधारभूत ढांचे पर किसी भी समाज का जीवन टिका होता है। इसे तबाह करने का मतलब है, उन्हीं लोगों को सज़ा देना जिनके नाम पर अक्सर युद्धों को सही ठहराया जाता है। इसी अनुशासन ने हमारी वैधता को बनाए रखा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गौर कीजिए। सटीक। तय परिधि में। उद्देश्यपूर्ण। लक्ष्य हासिल। काम पूरा। और फिर रुक जाना। हरेक मामले में, परिणामों ने साधनों को परिभाषित किया। लेकिन अब साधन खुद मकसद बनने का जोखिम उठा रहे हैं।

सिद्धांत के रूप में भटकाव : हम इसे 'हाइब्रिड वॉर', ग्रे ज़ोन या सोच-समझकर पैदा की गई अस्पष्टता कहते हैं। धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव। पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास

करवाता है। अगले रोज़ लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। बातचीत, विराम और तनाव इस कदर गडमड हो जाते हैं कि शब्दों का अर्थ ही समाप्त हो जाए। यूरोप में, संघर्ष वर्षों तक खिंच गया। उद्देश्यों पर भू-राजनीति की कई परतें चढ़ती गईं व स्पष्टता गायब हो गई। लड़ाई इसलिए जारी नहीं है कि अंतिम लक्ष्य परिभाषित है, बल्कि इसलिए कि कोई इसे परिभाषित नहीं कर रहा। संघर्ष खुद-ब-खुद खिंचता जा रहा है।

आमजन पर असर की हकीकत : रणनीति यह भूल जाती है कि इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। रणनीतिकार मैदान ए जंग की बातें करता है। नागरिक इसकी अवधि की कीमत चुकाता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति सिद्धांत नहीं पढ़ा होता। वह तो बाधित हुई आपूर्ति शृंखलाओं से बढ़ती कीमतों का दंश झेलता है, जो कभी स्थिर नहीं होतीं क्योंकि युद्ध अंतहीन हो चले हैं। वे अपने परिवारों को युद्धक्षेत्रों में फंसा हुआ पाता है जहां से निकलने की कोई राह नहीं। वह उस अनिश्चितता के साथ जीता है जो राष्ट्र की सोच में रम जाती है। जब युद्ध का कोई निश्चित समय होता है, तो समाज संगठित होता है और उबरता है। जब नहीं तो होता, तो अर्थव्यवस्था और भावनाएं उसी के अनुरूप आकार लेने लगती हैं। यदि सफलता को परिभाषित न किया जाए, तो वह कभी प्राप्त ही नहीं होती। असफलता तब स्वाभाविक प्रक्रिया बन जाती है।

क्षमता का विरोधाभास : संघर्ष समाप्त करने के लिए हमारे पास पहले से कहीं अधिक संसाधन हैं, फिर भी हम उन्हें समाप्त करने में असमर्थ हैं। ड्रोन, साइबर ऑपरेशन और सटीक हमले घोषित युद्ध से इतर दबाव डालने का जरिया बन गए हैं। हम अनिश्चित काल तक न तो शांति और न ही युद्ध की स्थिति बनाए रख सकते हैं। यह एक तरह का जाल है। क्षमता ने निर्णय लेने की शक्ति का स्थान ले लिया है। युद्ध रोकने को जवाबदेही की आवश्यकता पड़ती है। बताने की जरूरत पड़ती है कि क्या पाया और क्या खोया। इसके लिए जिम्मेवारी लेने की जरूरत होती है। किसी नतीजे की घोषणा करने के मुकाबले में यह कह देना आसान है कि परिस्थिति स्वरूप बदल रही है।

बल का मापन : बल प्रयोग स्पष्टता और उद्देश्य के साथ किया जाए। लेकिन इसकी वैधता विवेक पर आधारित है। यदि एक थप्पड़ ही काफी है, तो लाठी क्यों? यदि उद्देश्य सुधारना है, तो एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे वर्ग को दंड क्यों? बुनियादी ढांचा युद्धक्षेत्र नहीं होता। यह समाज की जीवनधारा होता है। इस पर चोट करने से आप युद्ध को आकार नहीं दे रहे, बल्कि भविष्य को सजा दे रहे हैं। बल का प्रत्येक प्रयोग न केवल लक्षितों पर, बल्कि खुद आरंभकर्ता पर भी असर छोड़ता है। अतिरेक स्मृति, धारणा और प्रतिरोध को आकार देता है। तात्कालिक जो भी लाभ होता है वह अक्सर वैधता में खो जाता है। संतुलित प्रतिक्रिया व्यवहार सुधारती है। अंधाधुंध प्रतिक्रिया पीढ़ियों को घाव देता है जो बार-बार लौट आते हैं।

मानवता बतौर वैश्विक संसाधन : कोविड-19, जलवायु परिवर्तन और युद्धों ने एक सरल सत्य उजागर किया। किसी भी संकट का असर स्थानीय नहीं रह सकता। एक क्षेत्र में हो रहा युद्ध महाद्वीपों भर में भोजन, ईंधन, व्यापार और भरोसे को बाधित कर देता है।

आप का नज़रिया

पाप का नगर

भले ही हम चेस्टर हिल नामक परियोजना में मीन मेख निकालते-निकालते राजनीतिक, ब्यूरोक्रेसी और व्यवस्था के गलियारों को कोसते रहें, मगर सच यह भी है कि पहाड़ की छाती पर हर कोई मूंग दल रहा है। ताजातरीन उदाहरण में सोलन के चेस्टर हिल परियोजना का दानव गुल खिला रहा है। एक वकील की शिकायत पर कई प्रशासनिक अधिकारी सिरमुंडे हो गए, तो पूरी परियोजना ने एक साथ कई प्रश्न छील दिए। अब जांच की दूरबीन से शिकार होगा या यह सच कभी सामने आएगा कि नई बस्तियों में कितना 'सामान' बिका है। पिछले कई वर्षों से एक शाश्वत आरोप झूम रहा है। हिमाचल की नई दौलत में पूरा प्रदेश बिक रहा है। भले ही फाटक धारा-118 के रौब से बंद दिखाई दें या उसूलों की गिनती में जानकारियां और जांच बंटती रहे, मगर सत्य यह है कि विकास की हर टहनी उपद्रवग्रस्त है। इसीलिए धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय में कांगड़ा भूकंप के संदर्भ में मंथन हुआ, तो विख्यात भू विज्ञानी एवं पद्मश्री डा. हर्ष गुप्ता को कहना पड़ता है कि शिमला-मकलोडगंज की बहुमंजिला इमारतें कफन ओढ़े खड़ी हैं। परवाणू से शिमला और चेस्टर हिल के नजदीक घातक पैमानों से पैमाइश हो रही है। अब हिमाचल सिस्मिक जोन-5 से आगे कहीं छह की पारिस्थितिकीय भुजाओं में लटका है, तो समस्या के अंतहीन सिलसिले में कई खलनायक पैदा हो चुके हैं। यह जमीन और जिरह के बीच कानून खोजा जा रहा है, जबकि जरूरत और जिंदगी के बीच न्याय होना चाहिए। चेस्टर हिल परियोजना में क्या हुआ, कैसे जमीन बिकी, भूमि का भूगर्भीय अध्ययन क्या कहता है या भ्रष्टाचार किस-किस स्तर पर हुआ, इससे भी अलग एक समाधान यह भी कि हिमाचल में बसने को जगह नहीं तथा जिंदगी को आशियाना चाहिए। ऐसी सौ और परियोजनाएं भी उभर आएं, तो ग्राहकों की कमी नहीं, लेकिन हर अवतार में कोई न कोई कसूरवार रहेगा। अब यह जांच किसके सिर बोलती है या किसके सिर चढ़ती है, लेकिन हमने तब भी सुना था जब सोलन जिला में इसी तरह कई निजी विश्वविद्यालय खुल गए थे और अब फोरलेन के किलोमीटर की औसत में सडक़ के किनारे पहाड़ पर मॉल चढ़ गए हैं। हमें गिला न भौगोलिक परिस्थिति से और न ही कानून के पहरे हमें रोक पा रहे हैं। हिमाचल में आ रही दौलत के लिए जमीन बिक रही है। ऐसे में पाचं दशक पहले आए टीसीपी कानून की धज्जियां कौन उड़ा रहा है। और यह सिर्फ चेस्टर हिल नहीं शिमला, मकलोडगंज, कसौली, डलहौजी या किसी भी शहर में प्रवेश करते देखना कि मंजिलें बेआबरू होकर, जमीन को कोसती हैं। ऐसे में पूरे प्रदेश में टीसीपी एक्ट लागू होना चाहिए तथा इसी की भावना में जमीन की पूलिंग, नई संरचना की मंजूरी और वैज्ञानिक ढंग से आबाद होने की छूट चाहिए। विकास एक तरफा हो रहा है, तो अनुमतियों के ग्रॉफ में सरकारी पापड़ बेलने की प्रथा ने कई चोर गलियां आबाद कर दीं। यही चोर गली चेस्टर हिल्स का मिलन शिमला के तंत्र से करवा रही थी, मगर आज अगर भाजपा के पास कहने को है तो सारे गड़े मुर्दे उसकी सरकारों को भी कोसते हैं। यह काजल की नगरी हो गई, बस मेरी आंख से चोरी हो गई। अगर हिमाचल में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी, तो इसका प्रदर्शन भी होगा और मांग-आपूर्ति का यह खेल चंडीगढ़ के आसपास की साठ फीसदी संपत्तियों में हिमाचलियों को खरीददार बना रहा है, तो प्रदेश का हिमुडा क्या करता रहा। आजादी के बाद एक भी टाउनशिप या उपग्रह नगर न बसा पाने की सजा यह कि हर पहाड़ी कट रही है और खड्ड, नदी या कूहलों के किनारे सिकुड़ गए। करीब पंद्रह साल पहले हिमुडा मांग सर्वेक्षण में करीब 75 हजार लोगों ने फीस डिपॉजिट करके इच्छा जताई कि कुछ नगर या बस्तियां बसा कर, उन्हें सुरक्षित व नियमों में सुदृढ़ आवासीय व्यवस्था का विकल्प दिखाया जाए, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। जाठिया देवी मंदिर परियोजना बार-बार दरक रही। धर्मशाला के चैतड़ु में एक कालोनी तय हुई तो बीच में कांग्रेस-भाजपा हो गई। पुनः धर्मशाला के नरघोटा में नगर विकास परियोजना का पूरा खाका बन गया, तो इसे विराम लगाते हुए पर्यटन गांव की संभावना में तोल दिया। नतीजा यह कि बस किश्तियां छोड़ी जाती हैं हर सुबह, मंजिल पे तूफान को डेरा दिया जाता है।

परवाणू से शिमला और चेस्टर हिल के नजदीक घातक पैमानों से पैमाइश हो रही है। अब हिमाचल सिस्मिक जोन-5 से आगे कहीं छह की पारिस्थितिकीय भुजाओं में लटका है, तो समस्या के अंतहीन सिलसिले में कई खलनायक पैदा हो चुके हैं। यह जमीन और जिरह के बीच कानून खोजा जा रहा है, जबकि जरूरत और जिंदगी के बीच न्याय होना चाहिए। चेस्टर हिल परियोजना में क्या हुआ, कैसे जमीन बिकी, भूमि का भूगर्भीय अध्ययन क्या कहता है या भ्रष्टाचार किस-किस स्तर पर हुआ, इससे भी अलग एक समाधान यह भी कि हिमाचल में बसने को जगह नहीं तथा जिंदगी को आशियाना चाहिए। ऐसी सौ और परियोजनाएं भी उभर आएं, तो ग्राहकों की कमी नहीं, लेकिन हर अवतार में कोई न कोई कसूरवार रहेगा। अब यह जांच किसके सिर बोलती है या किसके सिर चढ़ती है, लेकिन हमने तब भी सुना था जब सोलन जिला में इसी तरह कई निजी विश्वविद्यालय खुल गए थे और अब फोरलेन के किलोमीटर की औसत में सडक़ के किनारे पहाड़ पर मॉल चढ़ गए हैं। हमें गिला न भौगोलिक परिस्थिति से और न ही कानून के पहरे हमें रोक पा रहे हैं। हिमाचल में आ रही दौलत के लिए जमीन बिक रही है।

दृष्टि कोण

विनिवेश को रोकना एक सही फैसला

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निजीकरण को लेकर बहस, चाहे वे औद्योगिक हों या सेवा उद्यम, कोई नई बात नहीं है। 1991 में नई आर्थिक नीति की शुरुआत के बाद से, जिसमें तीन मुख्य आयाम शामिल थे : उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण, बैंकों के निजीकरण का मुद्दा हमेशा से ही एक बहुत ही विवादास्पद विषय रहा है। यही कारण है कि सभी सरकारों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को निजीकरण से दूर रखा है। सार्वजनिक क्षेत्र में विनिवेश दो तरीकों से होता है : रणनीतिक बिक्री और बाजार-आधारित शेयर बिक्री। रणनीतिक बिक्री में अक्सर मूल्यांकन से जुड़ी समस्याएं, बोली लगाने वालों की सीमित संख्या और पारदर्शिता की कमी के आरोप सामने आते हैं। इसके विपरीत, शेयर बाजार के जरिए किया जाने वाला विनिवेश ज्यादा पारदर्शी होता है। इसमें ज्यादा लोगों की भागीदारी होती है और इससे शेयरों का सही मूल्य तय हो पाता है। पिछले 11 वर्षों में, विनिवेश से होने वाली प्राप्ति लगभग 4.5 लाख करोड़ में से ज्यादातर बाजार बिक्री से ही हुई है, और सिर्फ 69000 करोड़ ही रणनीतिक विनिवेश से प्राप्त हुआ, जो इस तरीके की ज्यादा प्रभावशीलता को दर्शाता है। यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि भारत में पब्लिक सेक्टर के बैंकों को निजी संस्थाओं को बेचने का कोई इतिहास नहीं रहा है। फिर भी, अलग-अलग बैंकों के विलय के जरिए बैंकों की कुल संख्या में निश्चित रूप से कमी आई है। असल में, जहां कुछ समय पहले तक 27 पब्लिक सेक्टर बैंक थे, वहीं अब उनकी संख्या घटकर सिर्फ 12 रह गई है। इसके अलावा एक और बैंक है, जिसका नाम आइडीबीआई बैंक है। इसमें हालांकि केंद्र सरकार की शेयरहोल्डिंग 51 प्रतिशत से कम है, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की भी इसमें बड़ी शेयरहोल्डिंग है, जिससे सरकार का कुल नियंत्रण लगभग 95 प्रतिशत हो जाता है। विशेष रूप से आईडीबीआई बैंक के मामले में, पिछले कुछ सालों से सरकार रणनीतिक विनिवेश की दिशा में कदम बढ़ा रही थी, और इस संबंध में पहले प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। हाल की रिपोर्टों के अनुसार भारत सरकार ने अब इस बैंक के रणनीतिक विनिवेश को रोक दिया है। इस मुद्दे पर काफी बहस चल रही थी, और शायद यह किसी बैंक के निजीकरण का अपनी तरह का पहला मामला होता, जिसमें भारत सरकार और सरकारी संस्थाओं की शेयरधारिता काफी बड़ी अधिक थी। क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण किया जाना चाहिए, एक लंबी बहस है, जिसमें दोनों पक्षों की ओर से महत्वपूर्ण तर्क दिए जाते रहे हैं। लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के आलोचकों के, खासकर आइडीबीआई के मामले में, अपने मजबूत तर्क हैं। लेकिन इस बहस में आगे बढऩे से पहले, हमें आइडीबीआई बैंक के इतिहास पर नजर डालनी होगी, जो कुछ साल पहले यह एक मुश्किल दौर से गुजर रहा था, वहीं अब यह घाटे से उबर चुका है और एक मुनाफा कमाने वाली संस्था बन गया है। शुरुआत में इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आइडीबीआई) एक विकास बैंक था, जो एलपीजी नीतियों के प्रभाव में, अन्य विकास वित्तीय संस्थानों की तरह आइडीबीआई को भी बाद में एक वाणिज्यिक बैंक में बदल दिया गया। निजीकरण के पक्ष में तर्क : निजीकरण के समर्थक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की भी वकालत करते हैं। उनका पहला तर्क यह है कि आईडीबीआई के निजीकरण से बाजार अनुशासन को बढ़ावा मिलेगा और पूंजी का कुशल आवंटन होगा। दूसरा, यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को नौकरशाही की देरी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त करेगा।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबाल टीम रूस में खेलेगी 3मैत्री मैच

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की अंडर-17 महिला फुटबाल टीम रूस के सोची में 11, 14 और 17 अप्रैल 2026 को मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैत्री मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

सभी मुकाबले सोची के मात्सेस्टा फुटबाल सेंटर में खेले जाएंगे यंग टाइग्रेसेस, जो एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2026 की तैयारियों में जुटी हैं, 6 अप्रैल की रात सोची पहुंची। पिछले महीने टीम ने यांगून का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की (2-0 और 3-2)। इसके बाद टीम ने बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर जारी रखा। एशियन कप में, जो सूझोउ में खेला जाएगा, भारत को ग्रुप बी में आस्ट्रेलिया (2 मई), जापान (5 मई) और लेबनान (8 मई) के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं।

रूस दौरे के लिए भारत अंडर-17 महिला टीम (23 सदस्यीय):

गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी कोंजेंगबम

डिफेंडर: एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लकड़ा, जायशिनी चानू हुइद्रोम, रितु बड़ाइक, तानिया देवी तोनंबम

मिडफील्डर: अभिस्ता बसनेट, अल्वा देवी सेंजम, बोनिफिलिया शुल्लई, जूलन नोंगमैथेम, प्रीतिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखामायुम, थंदामोनी बास्के

फारवर्ड: अनुश्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, जाय, ओलिविया चानू निंगथौजाम, पर्ल फर्नांडिस, वलैना फर्नांडिस

कोचिंग स्टाफ:

मुख्य कोच: पामेला कोंटी

सहायक कोच: विन्सेन्जो कोंटी, निवेथा रामदास

गोलकीपिंग कोच: मारियो अगियार

स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच: अमित यादव

मैच कार्यक्रम:

- 11 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)
- 14 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)
- 17 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)
- स्थान: मात्सेस्टा फुटबाल सेंटर, सोची।

न्यूज ब्रीफ

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले कोलंबिया को राहत: जेम्स रोड्रिगेज ट्रेनिंग पर लौटे

लास एंजेलिस/मिनेसोटा। कोलंबिया के स्टार फुटबालर जेम्स रोड्रिगेज से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर डिहाइड्रेशन के चलते अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह अब अपने क्लब मिनेसोटा यूनाइटेड के साथ ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। 34 वर्षीय रोड्रिगेज पिछले सप्ताह तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। उन्हें 29 मार्च को फ्रांस के खिलाफ खेले गए मैच के बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां जांच में गंभीर डिहाइड्रेशन की पुष्टि हुई। शुरुआत में अमेरिकी मीडिया में उनकी स्थिति को लेकर गंभीर बीमारी (रैबडोमायोलिसिस) की आशंका जताई गई थी, लेकिन मिनेसोटा यूनाइटेड ने इन खबरों का खंडन किया। क्लब ने स्पष्ट किया कि मेडिकल जांच में ऐसी किसी गंभीर बीमारी के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। क्लब के अनुसार, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रोड्रिगेज घर पर आराम कर रहे थे और अब उन्होंने नियंत्रित ट्रेनिंग सत्र के साथ मैदान पर वापसी की है। उनकी पूर्ण रूप से टीम ट्रेनिंग में वापसी क्लब के मेडिकल स्टाफ की निगरानी और उनकी शारीरिक स्थिति के अनुसार होगी। गौरतलब है कि जेम्स रोड्रिगेज फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबिया टीम के अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लघन नहीं करना चाहिये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था। अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये।

राजस्थान ने मुंबई को 27 रन से हराया

गुवाहाटी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के एक बेहद रोमांचक रिकॉर्ड बना है। बारिश से बाधित मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैदान पर कोहराम मचा दिया। रात 10 बजे शुरू हुए इस 11-11 ओवर के मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का हार्दिक पांड्या का फैसला उन पर भारी पड़ गया। राजस्थान के सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल और 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने छक्कों की ऐसी बारिश की कि आईपीएल के कई पुराने रिकॉर्ड्स धराशायी हो गए।

आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज टीम 50 राजस्थान रॉयल्स ने केवल 2.4 ओवर (16 गेंद) में अपने 50 रन पूरे कर लिए। यह आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज टीम अर्धशतक है। राजस्थान ने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (बनाम केकेआर) की बराबरी की। आईपीएल में सबसे तेज 50 रन का रिकॉर्ड आरसीबी के नाम है। उन्होंने 2.3 ओवर कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ साल 2011 में यह रिकॉर्ड बनाया था। राजस्थान ने आज 2.4 ओवर में यह कारनामा कर मुंबई के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

15 साल के वैभव ने तोड़ा ऋषभ पंत का बड़ा रिकॉर्ड

इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पहली ही बाउंड्री के साथ एक नया इतिहास रच दिया। वैभव अब आईपीएल इतिहास में बतौर टीनएजर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने केवल 10 पारियों में 35 छक्के जड़कर ऋषभ पंत और ईशान किशन को पीछे छोड़ दिया है। इन दोनों बल्लेबाजों के नाम 30-30 छक्के का रिकॉर्ड है।

बुमराह और बोल्ट के खिलाफ निडर बल्लेबाजी

मैच का सबसे रोमांचक पल तब आया जब वैभव ने दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा। उन्होंने बुमराह के उसी ओवर में एक और मैक्सिमम लगाया। इसके बाद अगले ओवर में इस जोड़ी ने ट्रेंट बोल्ट को भी नहीं बख्शा और तीन छक्के जड़ दिए। पहले तीन ओवरों में 6 छक्के जड़ना आईपीएल इतिहास का एक नया कीर्तिमान है। यशस्वी जायसवाल ने भी केवल 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर मुंबई की मुश्किलों को और बढ़ा दिया।

ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतार कर गलती कर रही केकेआर: पीटरसन

लंदन, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे आलराउंडर कैमरुन ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारे जाने को सही नहीं बताया। पीटरसने के अनुसार ग्रीन नंबर तीन पर खेलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ग्रीन का प्रदर्शन भी अब तक इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ भी वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे हालांकि ये मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। पीटसन के अनुसार ग्रीन ने इस सीरीज के तीनों मैच में मिलकार कुल 26 रन ही बनाए हैं। मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 18, 2 और 4 बनाये। इससे पहले टी20 विश्व कप 2026 में भी वह रन बनाने में असफल रहे थे। कार्यभार प्रबंधन के तहत क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने उन्हें गेंदबाजी नहीं करने को कहा है। ऐसे में वह केवल बल्लेबाज के तौर पर ही लीग में खेल रहे हैं। इसी को लेकर पीटरसन ने कहा क , मैं उन्हें अधिक रकम दिये जाने की बात नहीं कर रहा हूं, क्योंकि यह खेल का हिस्सा है पर जब आप आईपीएल टीम में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके पास उस स्तर का प्रदर्शन होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने के लिए पर्याप्त रुप से अच्छे हैं। उन्होंने कुछ पारियां जरूर खेली हैंपर इतनी नहीं कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। पीटरसन के अनुसार ग्रीन मध्य क्रम में ही बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही कहा, वह गेंदबाजी भी नहीं कर रहे हैं, ऐसे में उनकी भूमिका और भी सीमित हो जाती है। मेरे अनुसार वह एक मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं, जो थोड़ा बहुत गेंदबाजी कर लेते हैं, बस। इस पूर्व कप्तान के इस बयान के बाद ग्रीन की भूमिका और उनकी जगह को लेकर बहस और तेज हो गई है। खासकर तब जब टीम में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को अब तक अवसर नहीं मिला है। केकेआर के पास टिम स्टीफर्ट और रचिन रविन्द्र जैसे कई जैसे खिलाड़ी हैं जो अभी तक अंतिम ग्यारह में नहीं पहुंचे हैं। पंजाब के खिलाफ अवसर मिला पर वह बल्लेबाजी नहीं कर पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन के चयन के तरीके पर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि ग्रीन के खराब प्रदर्शन और गेंदबाजी न करने से केकेआर का टीम संतुलन प्रभावित हो रहा है।

पडिक्कल इसी प्रकार खेलते रहे तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह मिलना तय : कार्तिक

नई दिल्ली। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है जिस प्रकार से वह बल्लेबाजी कर रहे है, उससे भविष्य में उनको भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। कार्तिक के अनुसार पडिक्कल ने पिछले कुछ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसपर चयन समिति की नजरें बनी होंगी। साथ ही कहा कि जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी इस युवा बल्लेबाज ने जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 29 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाए थे। कार्तिक ने कहा कि जिस प्रकार से शुरुआती मुश्किल दौर में पारी के दौरान इस बल्लेबाज ने संयम रखा उसकी भी सराहना होनी चाहिये। कार्तिक ने कहा, सबसे पहली बात जो अह है, वह है पडिक्कल का मजबूत इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो कई बल्लेबाज बड़ा शाट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट खो देते हैं। जब हालात कठिन थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।

पूर्व वाडा अध्यक्ष क्रेग रीडी का 84 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के पूर्व अध्यक्ष क्रेग रीडी का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सोमवार को उनके निधन की पुष्टि की, हालांकि मौत के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। क्रेग रीडी खेल प्रशासन में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे और उन्होंने ओलंपिक आंदोलन तथा डोपिंग के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वह 2013 में वाडा के अध्यक्ष बने थे और अपने कार्यकाल के दौरान रूस के डोपिंग विवाद को लेकर उनके रुख ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। रीडी ने 2012 लंदन ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने की बोली में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने बैडमिंटन को 1992 बार्सिलोना ओलंपिक खेलों में शामिल कराने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने रीडी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें अपना मार्गदर्शक, सलाहकार और करीबी मित्र बताया। उन्होंने कहा कि रीडी ओलंपिक खेलों के गहन ज्ञान और अनुभव के धनी थे, जिसे उन्होंने हमेशा साझा किया।

रीडी का कार्यकाल 2016 रियो ओलंपिक से पहले रूस के राज्य प्रायोजित डोपिंग घोटाले के कारण काफी चुनौतीपूर्ण रहा। वाडा की ओर से रूस की पूरी टीम को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की गई थी, लेकिन आईओसी और उसके अध्यक्ष थामस बाक ने इसका विरोध किया। अंतत: फैसला खेल महासंघों पर छोड़ दिया गया कि वे रूसी खिलाड़ियों की भागीदारी पर निर्णय लें।

आईओसी की वर्तमान अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री ने रीडी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि खेलों की स्वच्छता और खिलाड़ियों के विकास में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। उन्होंने उन्हें खेलों की ईमानदारी का सच्चा संरक्षक बताया। स्काटलैंड के रीडी को 2006 में नाइट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। वह 1994 में आईओसी के सदस्य बने और 2021 में मानद सदस्य बनाए गए। आईओसी ने घोषणा की है कि स्विट्जरलैंड के लाज़ेन स्थित मुख्यालय में उनके सम्मान में तीन दिनों तक झंडा आधा झुका रहेगा।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हाकी टीम

यह दौरा 2026 में होने वाले एफआईएच हाकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए अहम साबित होगा

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रा मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हाकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हाकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।

उन्होंने आगे कहा, इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

होर्मुज संकट से तेल में उछाल, क्रूड 110 डालर के पार

डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.26 डालर की तेजी के साथ 113.67 डालर प्रति बैरल

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच टकराव के चलते वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उबाल आ गया है। स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर जारी विवाद के बीच तेल की कीमतों में मंगलवार को तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज को जल्द नहीं खोला, तो अमेरिका सख्त कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर ईरान को पूरी तरह निशाना बनाया जा सकता है। इस बयान के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड करीब 0.5 फीसदी बढ़कर 110.34 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.26 डालर की तेजी के साथ 113.67 डालर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया। दरअसल, स्ट्रेट आफ होर्मुज दुनिया के कुल तेल सप्लाई का करीब 20 फीसदी हिस्सा संभालता है। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के हमलों के बाद ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग को प्रभावी रूप से बंद कर दिया था, जिसके चलते जहाजों की आवाजाही सीमित हो गई है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से आए अमेरिकी प्रस्ताव को भी ईरान ने खारिज कर दिया है और स्थायी समाधान की मांग की है।

मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में फिर नंबर-1 बनी हयूदै क्रेटा

नई दिल्ली। भारतीय आटो बाजार में हयूदै क्रेटा ने पुनः अपना दबदबा कायम रखा है। बीते महिने मार्च 2026 में क्रेटा इस सेगमेंट की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनी, जिसे कुल 17,838 ग्राहकों ने खरीदा। यह कार देश की ओवरआल बिक्री में भी तीसरे स्थान पर रही, जहां इससे आगे सिर्फ टाटा पंच और टाटा नेक्सान ही रहे। क्रेटा को ग्राहकों के बीच खास बनाते हैं इसके एडवांस फीचर्स और प्रीमियम केबिन। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वाइस-कंट्रोल्ड पैनोरमिक सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा, एसयूवी में कई स्मार्ट कनेक्टेड टेक्नोलाजी फीचर्स भी शामिल हैं। डिजाइन की बात करें तो क्रेटा का लुक काफी बोल्ड और आकर्षक है। इसमें बड़ी पैरामेट्रिक ग्रिल, क्वाड-एलईडी हेडलैम्प्स और होराइजन एलईडी डीआरएल इसे एक प्रीमियम अपील देते हैं। साइड प्रोफाइल में मस्कुलर लाइन्स, अलाय व्हील्स और फ्लोटिंग रूफ डिजाइन इसे स्पोर्टी अंदाज देते हैं। सेफ्टी के मामले में भी क्रेटा मजबूत है। पावरट्रेन के तौर पर इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन के विकल्प मिलते हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 10.72 लाख रुपये से शुरू होकर 20.20 लाख रुपये तक जाती है, जो इसे इस सेगमेंट में एक मजबूत और लोकप्रिय विकल्प बनाती है।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया में बड़ा बदलाव, सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में बड़े नेतृत्व बदलाव की खबर सामने आई है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि नए प्रमुख की नियुक्ति तक वह जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। एयर इंडिया में एक अहम बदलाव के तहत सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका इस्तीफा कंपनी के बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, नेतृत्व में किसी प्रकार की अस्थिरता से बचने के लिए विल्सन सितंबर 2026 तक या नए सीईओ की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि विल्सन पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। इस पद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई अनुभवी एविएशन लीडर्स के नामों पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। एयरलाइन को परिचालन बाधाओं, बढ़ती ईंधन लागत और वैश्विक हालात के चलते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का घाटा 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

ग्रामीण और खराब रास्तों पर आरामदायक सफर का अनुभव देती है ये एसयूवी

नई दिल्ली। गर्मियों की छुट्टियों में परिवार के साथ गांव और हिल स्टेशन के सफर के लिए मजबूत और भरोसेमंद एसयूवी के कई विकल्प बाजार में मौजूद हैं। इनमें से एक मजबूत विकल्प है महिंद्रा थार राक्स, जो आफ-रोड क्षमता और परिवार के लिए पर्याप्त स्पेस के साथ आता है। वहीं मारुति सुजुकी जिम्नी हल्के वजन और 4गुणा4 सिस्टम के कारण संकरे और कीचड़ भरे रास्तों पर बेहतरीन प्रदर्शन करती है। इसके अलावा महिंद्रा स्कार्पियो-एन अपनी लैडर-आन-फ्रेम चेसिस और दमदार इंजन के कारण ग्रामीण और खराब रास्तों पर आरामदायक और सुरक्षित अनुभव देती है। अगर रास्ता बेहद चुनौतीपूर्ण हो तो फोर्स गुरखा बड़े टायर और मजबूत बाडी के साथ कठिन आफ-रोड परिस्थितियों में भी आसानी से निकल जाती है। लंबी दूरी और भरोसे के लिहाज से टोयोटा फार्च्यूनर को भी एक मजबूत विकल्प माना जाता है, जो मजबूती, आराम और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। इन सभी वाहनों में से किसी एक का चुनाव आपके सफर को न सिर्फ आरामदायक बना सकता है बल्कि खराब रास्तों पर भी बिना परेशानी के आगे बढ़ने में मदद करता है। मालूम हो कि गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही लोग अपने गांव या किसी शांत हिल स्टेशन की ओर रुख करते हैं। हाईवे खत्म होने के बाद जैसे ही कच्ची, धूल भरी और पथरीली सड़कों का सफर शुरू होता है, गाड़ी की असली परीक्षा भी वहीं से शुरू हो जाती है। तेज धूप में एयर कंडीशनर का ठीक से काम न करना या खराब रास्तों पर सस्पेंशन का साथ छोड़ देना पूरे सफर का मजा खराब कर सकता है।

बिक्री और लोकप्रियता में सभी को पीछे छोड़ा मारुति अर्टिगा ने

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की 7-सीटर एमपीवी मारुति अर्टिगा ने बिक्री और लोकप्रियता में सभी को पीछे छोड दिया है। बीते मार्च महीने में इस कार की 17,072 यूनिट्स की बिक्री हुई, जिससे यह देश की टाप-10 कारों की सूची में पांचवें स्थान पर रही। खास बात यह है कि अर्टिगा ने अपनी ही कंपनी की लोकप्रिय कारों जैसे वैगनआर, बलेनो और फ्रोंक्स को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, इसने अपने सेगमेंट की मजबूत प्रतिद्वंद्वी महिंद्रा स्कार्पियो को भी पछाड़ दिया, जिसकी इसी अवधि में 14,578 यूनिट्स बिकीं। टाप-10 सूची में अर्टिगा और स्कार्पियो ही दो 7-सीटर कारें रहीं। अर्टिगा की सफलता का अंदाजा इसके कुल बिक्री आंकड़ों से लगाया जा सकता है। लान्च के बाद से अब तक यह कार 14 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी है, जिससे यह एमपीवी सेगमेंट में सबसे भरोसेमंद विकल्प बन गई है। शुरुआत में सीमित बिक्री से सफर शुरू करने वाली यह कार अब हर साल लाखों ग्राहकों की पहली पसंद बन रही है। वित्त वर्ष 2026 के फरवरी तक ही इसकी 1,81,783 यूनिट्स बिक चुकी हैं, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि यह साल कंपनी के लिए रिकार्डतोड़ साबित हो सकता है।

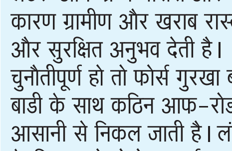

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

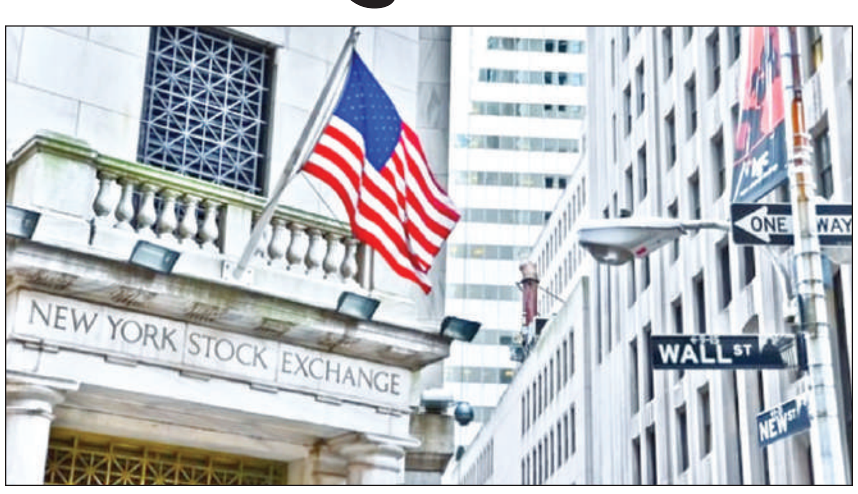

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग को रोकने के लिए सोमवार को आए दो शांति प्रस्तावों की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 165.21 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,669.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,611.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 117.16 अंक यानी 0.54 प्रतिशत उछल कर 21,996.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, ईरान द्वारा युद्ध रोकने के दोनों प्रस्तावों को खारिज कर दिए जाने की वजह से डाउ जान्स फ्यूचर्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,601.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हांगकांग स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में कोई उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 152.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,848.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,958.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 64.68 अंक यानी 0.12 प्रतिशत फिसल कर 53,349 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,462.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,458 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 485.02 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,057.45 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,019.08 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 3,881.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मारुति सुजुकी की पापुलर सेडान मारुति डिजायर का दबदबा

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पापुलर सेडान मारुति डिजायर ने पुनः अपना दबदबा साबित किया है। बीते महीने मार्च में यह देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही, जहां इसकी 21,224 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। इसके अलावा हयूदै क्रेटा, मारुति ईर्टिगा और मारुति वैगनआर जैसी कारें भी सूची में शामिल रहीं, लेकिन डिजायर की बिक्री के आंकड़े को कोई पार नहीं कर सका। इस दौरान इसने टाटा पंच और टाटा नेक्सान जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को भी पीछे छोड़ दिया। मार्च की टाप-10 कारों की सूची में डिजायर पहले स्थान पर रही, जबकि पंच और नेक्सान क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में भी डिजायर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2,07,906 यूनिट्स की बिक्री के साथ नंबर-1 का ताज अपने नाम किया। यह उपलब्धि खास इसलिए भी है क्योंकि एसयूवी सेगमेंट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद डिजायर ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है। साथ ही इसमें 9-इंच टचस्क्रीन, क्रूज कंट्रोल, 6 एयरबैग और 360-डिग्री कैमरा जैसे आधुनिक फीचर्स मिलते हैं, जो इसे ग्राहकों के लिए एक भरोसेमंद और सुरक्षित विकल्प बनाते हैं। फीचर्स की बात करें तो डिजायर में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो बेहतर माइलेज और स्मूथ परफार्मेंस देता है। इसके सीएनजी वेरिएंट का माइलेज 33 किमी/किग्रा तक बताया जाता है।

एलपीजी -पीएनजी टैक्स फ्री करने की मांग तेज

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते गैस सप्लाई पर असर पड़ने के बाद देश में एलपीजी और पीएनजी की कीमतें बढ़ गई हैं। इस बीच व्यापारिक संगठन ने सरकार से इन पर लगने वाले टैक्स हटाने की मांग की है, जिससे आम जनता को राहत मिल सके। अमेरिका और इरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में गैस कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है। एलपीजी सप्लाई प्रभावित होने के कारण हाल ही में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं।

इसी बीच चेंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज (सीटीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर एलपीजी और पीएनजी को टैक्स-फ्री करने की मांग की है। सीटीआई का कहना है कि टैक्स हटाने से गैस की कीमतों में सीधी कमी आएगी और आम आदमी को राहत मिलेगी। फिलहाल घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया जाता है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर पर 18 फीसदी एसटी वसूला जाता है। दूसरी ओर, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) जीएसटी के दायरे से बाहर है और इस पर राज्य सरकारें 3 से 14.5 फीसदी तक वैट वसूलती हैं। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में पीएनजी पर 5 फीसदी वैट लागू है। अगर सरकार एनजीजी पर से जीएसटी हटा देती है, तो इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा। दिल्ली में वर्तमान में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये है, जो 5 फीसदी जीएसटी हटने पर करीब 43 रुपये सस्ती होकर लगभग 869 रुपये रह जाएगी। वहीं कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2078.50 रुपये से घटकर करीब 1761 रुपये हो सकती है, यानी लगभग 317 रुपये की राहत।

व्यापारिक संगठन ने केंद्र सरकार से टैक्स हटाने की अपील की

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विनाशकाले ...

बता दें कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति के पास परमाणु हमला करने का एकमात्र अधिकार होता है। इसके लिए राष्ट्रपति नेशनल मिलिट्री कमांड सेंटर के साथ एक सुरक्षित कॉल करते हैं, जिसमें रक्षा मंत्री और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

राष्ट्रपति के पास हमेशा एक सैन्य अधिकारी होता है, जिसके पास न्यूक्लियर फुटबॉल नाम का ब्रीफकेस होता है। इसमें हमले के विकल्प और पहचान वेरिफाई करने के कोड होते हैं। इस प्रक्रिया में एकमात्र रोक तभी लग सकती है, जब आदेश को अवैध मानते हुए सैन्य अधिकारी उसे मानने से इनकार कर दें।

ट्रंप के अफसरों ...

समझौते की दिशा में कोशिशें लगातार जारी हैं।

अमेरिकी अधिकारी ने यह भी कहा कि बातचीत रुकने वाली नहीं है। पिछले हफ्ते जिनेवा में हुई चर्चा के बाद अब इस हफ्ते इस्लामाबाद में बैठक की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा दोनों देशों की टीमों के बीच पाकिस्तान सहित अन्य मध्यस्थों के साथ वर्चुअल मीटिंग पर भी विचार हुआ है। बातचीत अगले कुछ घंटों तक जारी रह सकती है।

गौरतलब है कि अमेरिका के इशारे पर पाकिस्तान लगातार मध्यस्थता की कोशिश में लगा हुआ है। कुछ दिन पहले ही उसने सऊदी अरब सहित तीन देशों के साथ इस्लमाबाद में एक मीटिंग की थी। इसके बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार चीन गए थे। वहां पर ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को लेकर चर्चा हुई थी।

इस दौरान दोनों देशों ने पांच सूत्रीय प्रस्ताव तैयार किया था। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस पर गौर करने से इनकार कर दिया था। इसी बीच मंगलवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाती से बातचीत की है। दोनों नेताओं ने मौजूदा हालात पर चर्चा की है और तनाव कम करने की जरूरत पर जोर दिया है।

उधर, अमेरिका की सख्त चेतावनियों के बीच ईरान ने भी खुलकर पलटवार की रणनीति सामने रख दी है। हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि यदि एक कदम भी आगे बढ़ा, तो पूरा मिडिल ईस्ट इसकी चपेट में आ सकता है। ईरान ने साफ संकेत दे दिए हैं कि यदि उसके पावर प्लांट पर हमला हुआ, तो वह चुप नहीं बैठेगा।

तेहरान ने मिडिल ईस्ट के अहम पुलों को निशाने पर लेने की चेतावनी दी है। ईरान ने आठ बड़े पुलों की एक सूची तैयार की है, जिन्हें संभावित हमले के लिए चिन्हित किया गया है। इस लिस्ट में कुवैत का शेख जाबेर अल-अहमद अल-सबाह सी ब्रिज सबसे ऊपर है। इसके अलावा यूएई के शेख जाएद ब्रिज, अल मक्ता ब्रिज और शेख खलीफा ब्रिज भी निशाने पर हैं।

सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे भी ईरान की हिट लिस्ट में शामिल बताया जा रहा है। वहीं जॉर्डन के किंग हुसैन ब्रिज, दामिया ब्रिज और अब्दौलन ब्रिज को भी संभावित टारगेट माना गया है। ईरान ने यह भी संकेत दिया है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ, तो वह सिर्फ पुलों तक सीमित नहीं रहेगा।

इजरायल के परमाणु केंद्रों और मिडिल ईस्ट की रिफाइनरियों को भी निशाना बनाया जा सकता है। इसके साथ ही अमेरिकी कंपनियों के दफ्तर भी हमले की जद में आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस तरह के हमलों के जरिए ईरान अमेरिका को सीधा संदेश देना चाहता है कि उसकी मिसाइल क्षमता को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी ईरान ने सख्त रुख अपनाया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने साफ कहा है कि किसी भी तरह के अस्थायी सीजफायर के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान किसी दबाव या समय-सीमा के आधार पर कोई फैसला नहीं करेगा।

होर्मुज स्ट्रेट इस पूरे टकराव का सबसे अहम बिंदु बनता जा रहा है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। मौजूदा हालात में यहां 3000 से ज्यादा जहाज फंसे होने की खबर है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग पर ट्रैफिक में करीब 94 फीसदी तक गिरावट आ चुकी है।

भारत को ...

काकोडकर ने कहा कि अन्य परमाणु रिएक्टरों के विपरीत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर न केवल ऊर्जा उत्पन्न करता है बल्कि ईंधन भी उत्पन्न करता है। इसी कारण इसे ब्रीडर रिएक्टर कहा जाता है। डीएई के अनुसार, पीएफबीआर यूरेनियम-प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। पीएफबीआर का कोर यूरेनियम-238 की एक ब्लैंकेट से घिरा हुआ है। तेज़ न्यूट्रॉन उपजाऊ यूरेनियम-238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित करते हैं, जिससे रिएक्टर अपनी खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करने में सक्षम होता है। रिएक्टर को अंततः ब्लैंकेट में थोरियम-232 का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। ट्रांसम्यूटेशन के माध्यम से, थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत की परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण को ईंधन देगा।

के.एन. व्यास ने कहा कि इस तकनीक में बहुत उन्नत तकनीक शामिल होने के नाते यह विकास महत्वपूर्ण है। हालांकि, रिएक्टर तुरंत बिजली उत्पादन शुरू नहीं करेगा और यह विभिन्न परीक्षणों से गुजरेगा।

व्यास ने कहा कि फ्रांस और अमेरिका जैसे देश अपने ब्रीडर रिएक्टरों का विस्तार करने में असफल रहे।

काकोडकर ने व्यास से सहमति जताते हुए कहा कि रूस के बाद, जो 600 मेगावाट और 800 मेगावाट क्षमता के दो ब्रीडर रिएक्टर चलाने वाला एकमात्र देश है, भारत 500 मेगावाट क्षमता का रिएक्टर विकसित करने वाला एकमात्र देश है। फ्रांस और अमेरिका ब्रीडर रिएक्टर चलाते हैं, लेकिन इस स्तर पर नहीं।

कैनबरा में ऑस्ट्रेलियन स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रेजिडेंट सीनियर फेलो राजेश्वरी राजगोपालन ने कहा कि भारी देरी के बावजूद यह विकास प्रभावशाली है।

काकोडकर ने कहा कि जैसे दबावित भारी जल रिएक्टर तकनीक के मामले में भारतीय वैज्ञानिकों ने दशकों में महारत हासिल की और परमाणु संयंत्रों के निर्माण में तेजी लाई, अगला कदम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक को और मजबूत बनाना और रिएक्टरों का विस्तार करना होगा।

पिछले महीने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा था कि सरकार ने तमिलनाडु के कल्पक्कम में ऋइठ 1 और 2 परियोजना की 2 ु 500 मेगावाट ई. की जुड़वां इकाई के लिए पूर्व-परियोजना गतिविधियां करने की स्वीकृति दे दी है।

झऋइठ की पहली क्रिटिकैलिटी हासिल करने पर, ऋइठ 1 और 2 परियोजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति के लिए सरकार से संपर्क किया जाएगा, जैसा कि सिंह ने कहा था।

मणिपुर में बम...

यह मणिपुर में मुश्किल से मिली शांति को पटरी से उतारने की कोशिश है।

संघर्षग्रस्त इलाके का इतिहास और विस्फोटक बरामदगी

मणिपुर का मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाका चुराचांदपुर के पहाड़ी इलाकों के पास बसा है। 2023 और 2024 में मैतेई और कुकी-जो ग्रुप्स के बीच जातीय संघर्ष के दौरान यहां लगातार गोलीबारी हुई थी। एक और सीनियर अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को ट्रोंगलाओबी के पास के इलाके से एक एक्सप्लोसिव डिवाइस भी बरामद किया गया। स्थानीय एनपीपी विधायक शांति सिंह ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, यह घिनौना काम आतंकवाद से कम नहीं है। ऐसे अमानवीय कामों की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 08 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सेंट्रल ज़ोन शाखाओं की बैठक आयोजित

होटल अमृतसर हवेली में जुटे पदाधिकारी, विभिन्न योजनाओं पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सेंट्रल ज़ोन शाखाओं की बैठक होटल अमृतसर हवेली में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के प्रेस व मीडिया चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में सेंट्रल ज़ोन की शाखाओं के पदाधिकारी एवं केंद्रीय समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।मंचासीन अतिथियों में पश्चिम ज़ोन के समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर ज़ोन के समन्वयकर्ता सुनील कुमार चोखानी, दक्षिण ज़ोन की समन्वयकर्ता श्रीमती अलका मिंडा, सेंट्रल ज़ोन के समन्वयकर्ता अजय तुलसियान एवं सभी ज़ोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन शामिल रहे। इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं के अध्यक्षों एवं समितियों के चेयरमैनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

समाज की उन्नति हेतु सहयोग का आह्वान

सेंट्रल ज़ोन के समन्वयकर्ता अजय तुलसीयान ने सभी उपस्थित अग्रबंधुओं का स्वागत करते हुए शाखा पदाधिकारियों से समाज को उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ाने हेतु निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया।

विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

पांचों ज़ोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन ने आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि समाज द्वारा इंडक्शन चूल्हा वितरण, सिलाई मशीन, जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा, शहर में विभिन्न स्थानों पर वाटर कूलर स्थापना, शिक्षा एवं चिकित्सा सहायता, 11 में विशेष सदस्यता अभियान, राशन वितरण तथा दिव्यांगों के लिए सहायता जैसी योजनाएं चलाई जाएंगी।पश्चिम ज़ोन के जिला समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि ये सभी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं के परिवारों के लिए संचालित की जा रही हैं, जिनमें समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं सहमंत्री डॉ. सीमा जैन की प्रमुख भूमिका है।

'अग्रमंजूषा' पत्रिका के प्रकाशन पर जोर

उन्होंने बताया कि समाज की पत्रिका 'अग्रमंजूषा' इस माह से नियमित रूप से प्रकाशित की जाएगी। सभी पदाधिकारियों से जुलाई 2025 से अब तक आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी प्रकाशन हेतु चेयरमैन मुकेश कुमार केडिया या समाज कार्यालय में भेजने का आग्रह किया गया।

पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पंसारी ने सभा को संबोधित करते हुए समाज की योजनाओं की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित अग्रबंधुओं ने समाज की उन्नति के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए, जिन्हें लागू करने का आश्वासन दिया गया।

अनेक शाखाओं के प्रतिनिधि रहे उपस्थित

बैठक में ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा, ज्ञानबाग महिला शाखा, अशोक नगर शाखा, दोमलगुड़ा शाखा, गोशामहल शाखा सहित रामनगर पूर्व, अग्रवंशी, मलकपेट, कोत्तापेट, महाराजा अग्रसेन मार्ग, पैराडाइज, चारमीनार एवं मानसरोवर शाखाओं के पदाधिकारी एवं विभिन्न समितियों के चेयरमैन उपस्थित रहे।इस अवसर पर पश्चिम ज़ोन के जिला समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर ज़ोन के जिला समन्वयकर्ता सुनील कुमार चोखानी, दक्षिण ज़ोन की जिला समन्वयकर्ता श्रीमती अलका मिंडा, सेंट्रल ज़ोन के जिला समन्वयकर्ता अजय तुलसीयान, सभी ज़ोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन एवं समाज के प्रमुख कार्यकर्ता विनय जैन सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधु उपस्थित थे।

नाचरम मल्लापुर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य प्रतीक नरसरिया ने सभा का संचालन किया। रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रमंजूषा इस माह प्रकाशित होगी

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रमंजूषा पत्रिका इस माह प्रकाशित होगी । प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज के प्रेस व मीडिया के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में एक बैठक अग्रमंजूषा के चेयरमैन मुकेश केडिया के साथ हुई जिसमे उन्होंने समाज की सभी शाखाओं से विनम्र आग्रह किया है कि उनकी शाखा द्वारा जो कार्यक्रम 1 जनवरी से अभी तक किए गए हैं उनका विवरण बुधवार 8 तारीक तक सीधे उनके पास अर्थात समाज के कार्यालय में भेजें । किसी अग्रबन्धु को अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन देना हों तो मुकेश केडिया से 9290445631 संपर्क कर सकते हैं पहले आओ पहले पाओ के आधार पर विज्ञापन स्वीकार किए जाएँगे । विज्ञापन फ्रंट पेज की पट्टी, फ्रंट पेज के अंदर, पीछे का पेज, पीछे के पेज के अंदर का पेज, अंदर का पूर्ण पेज तथा अंदर की पट्टी का रहेगा । बैठक में चेयरमैन मुकेश केडिया, समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया, विनय जैन, मनीषा अग्रवाल उपस्थित थे ।

सेवा से मिलता है आत्मिक संतोष : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा भावना से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह है, जहां सभी सदस्य मिलकर सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अन्नदान से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि सेवा करने वालों को भी आत्मिक संतोष प्राप्त होता है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, तेजप्रकाश अग्रवाल, रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

हैदराबाद में सिरवी करियर काउंसलिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दी करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पारसीगुट्टा स्थित आईमाता जी मंदिर बडेर में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईमाता जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी फ्रेंड्स क्लब द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पारसीगुट्टा बडेर, सिकंदराबाद में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पारसीगुट्टा बडेर समिति का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी काउंसलर्स ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। सिविल सर्विसेज से सुनील सोलंकी (आईएएस, गुजरात), इंजीनियरिंग क्षेत्र से हरीश (डीआरडीओ) एवं सुरेंद्र, आर्मी से मेजर निखिल एवं कैप्टन दीपक चौयल, काउंसलिंग विशेषज्ञ अनीता, चार्टर्ड अकाउंटेंट क्षेत्र से जगदीश, अशोक, नेमिचंद, ममता, पुरब, मेडिकल क्षेत्र से डॉ. ललिता, डॉ. प्रदीप, डॉ. बसंती, डॉ. ज्योति, डॉ. हिमांशु, डॉ. प्रतिभा, आयकर विभाग से अजय शर्मा, कंपनी सेक्रेटरी क्षेत्र से छगन, आर्किटेक्ट से भरत एवं भाविन, एडवोकेट से भावना, इंटीरियर डिजाइनर से दिनेश एवं खुशबू, कमर्शियल पायलट से नरेश एवं प्रवीण तथा फैशन डिजाइनर दीक्षा सोलंकी सहित अन्य विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सही दिशा में मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के दौरान काउंसलर अनीता ने पीपीटीइ के माध्यम से करियर चयन, उपलब्ध अवसरों एवं भविष्य की दिशा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए।अंत में सीरवी फ्रेंड्स क्लब ने सभी काउंसलर्स, पारसीगुट्टा बडेर समिति एवं सहयोग करने वाले समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन सुरेश सैणचा एवं सुनील चौयल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुरेश सैणचा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की नार्थ जोन के पदाधिकारियों, केन्द्रीय समिति सदस्यों की बैठक समाज के मंत्री विकास केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता की उपस्थिति में सिकंदराबाद स्थित होटल चीलीस में सम्पन्न हुई। अवसर पर बडी संख्या में पधारे समाजबंधुओं को मंत्री विकास केशान ने समाज में चल रही वर्तमान गतिविधियों से अवगत करवाया। साथ ही सभी से आग्रह किया कि वे समाज द्वारा आहूत 12 अप्रैल की एजीएम में हाजिर होकर सत्य का साथ दें। साथ ही श्री केशान ने समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा अपने साथी पदाधिकारियों व पूरे समाज को अंधेरे में रखकर विभिन्न समितियों को भंग करने तथा मनमाने तरीके से कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में श्री नरेंद्र गोयल की नियुक्ति को न केवल असंवैधानिक बताया बल्कि संस्था की आत्मा पर कुठाराघात कहकर कडी आलोचना की। अवसर पर कोमपल्ली शाखा की अध्यक्ष सरला शाह ने 12 तारीख की एजीएम को भारी संख्या में उपस्थित होकर सफल बनाने का आह्वान किया।

हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

5 राज्यों से 20 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 1.59 करोड़ कराए रिफंड

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मार्च 2026 में चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत, हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने देश के पांच अलग-अलग राज्यों से 13 साइबर मामलों में संलिप्त 20 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इस सफल ऑपरेशन के माध्यम से पीड़ितों के कुल 1.59 करोड़ रुपये रिफंड कराने में सफलता मिली है।

पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अलग-अलग तरह के साइबर फ्रॉड में-

गेमिंग और सट्टेबाजी: सबसे अधिक 8 लोग ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी में पकड़े गए।

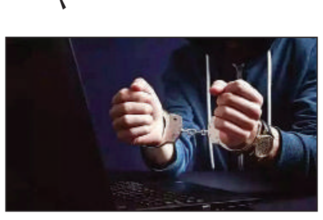

निवेश और ट्रेडिंग: 3 लोग निवेश और 1 व्यक्ति ट्रेडिंग धोखाधड़ी में गिरफ्तार हुआ।

वैवाहिक और नौकरी: 3 लोग मैट्रिमोनियल (वैवाहिक) और 2 लोग नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी में शामिल थे।

अन्य: क्रेडिट कार्ड, सोशल मीडिया और प्रतिरूपण (इम्पर्सनेशन) धोखाधड़ी में भी गिरफ्तारियां हुईं।

पकड़े गए आरोपियों में 15 तेलंगाना से, 2 केरल से और 1-1 आंध्र प्रदेश, गोवा व राजस्थान से हैं शामिल हैं।

साइबर गश्त और डिजिटल निगरानी के दौरान पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऐसे 129 प्रोफाइल की पहचान की, जो ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले 494 'पेड विज्ञापन' चला रहे थे। ये विज्ञापन युवाओं को आसान पैसा और बोनस का लालच देकर अवैध सट्टेबाजी में फंसाते थे। पुलिस की रिपोर्ट पर इन सभी 129 प्रोफाइल को हटा दिया गया है और इनके संचालकों की तलाश जारी है।

पीड़ितों की सहायता के लिए शुरू की गई सी-मित्रा पहल के तहत इस महीने सराहनीय कार्य हुआ:

पीड़ितों को मार्गदर्शन देने के लिए कुल 1,730 कॉल किए गए।

प्राप्त शिकायतों के आधार पर 262 जीरो एफआईआर दर्ज की गईं, ताकि कानूनी कार्रवाई में देरी न हो।

कुल प्राप्त 3081 शिकायतों में से 276 एफआईआर दर्ज की गईं और 95.99 लाख की अतिरिक्त राशि भी रिफंड कराई गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 6.50 लाख नकद, 14 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 9 चेक बुक और 2 कंपनी स्टैंप बरामद किए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक या 'आसान पैसे' के विज्ञापनों के झांसे में न आएं और सतर्क रहें।

खड़गे के बयान पर अविनाश देवड़ा ने की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा भाजपा और आरएसएस को ज़हरीले सांप कहे जाने के बयान पर भाजपा नेता अविनाश देवड़ा ने की कड़ी निंदा।

अविनाश देवड़ा ने कहा कि यह केवल एक बयान नहीं, बल्कि देश के करोड़ों देशभक्त कार्यकर्ताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश को संस्कार, सेवा और समर्पण की भावना दी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी आज भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत पहचान दिला रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों के लिए इस प्रकार की जहरीली भाषा का उपयोग कांग्रेस की मानसिकता को उजागर करता है। यह बयान पूरी तरह से नफरत फैलाने वाला है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

भाजपा नेता ने कांग्रेस पार्टी से तुरंत देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो देश की जनता उन्हें करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि अब देश इस प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक सम्पन्न

विभिन्न समितियों की गतिविधियों की समीक्षा, नई योजनाओं पर चर्चा

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत वी.के. सिंह (आईपीएस, वीआरएस) एवं महानिदेशक, जेल विभाग तेलंगाना की गरिमामयी उपस्थिति में संचालन समिति की बैठक संयोजक डी.डी. तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में केंद्रीय समिति सहित सभी समितियों के संयोजकों ने अपनी-अपनी उपलब्धियों की जानकारी दी, जिन पर बिंदुवार चर्चा की गई।

संरक्षण समिति के संयोजक वी.डी. चौबे ने बताया कि लोग जन सेवा संघ के कार्यों के प्रति उत्साहित हैं और संगठन के संचालन हेतु समय पर योगदान दे रहे हैं। समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने बताया कि जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न क्षेत्रों में संभागीय समितियों का गठन किया गया है, जिससे समस्याओं के समाधान में विलंब न हो।

उन्होंने सुझाव दिया कि किसी भी सदस्य को अपनी समस्या के समाधान हेतु पहले जन सेवा संघ कार्यालय को लिखित सूचना देनी चाहिए, जिसे संबंधित समिति को अग्रसारित किया जाएगा। यह भी निर्णय लिया गया कि समस्या निवारण सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पंपलेट वितरण एवं अन्य संचार माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

साथ ही यह भी तय हुआ कि महासचिव प्रकाश चौधरी के साथ बिनीत सिंह प्रवक्ता एवं प्रेस का कार्य देखेंगे तथा विभिन्न विषयों पर प्रतिमाह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

सांस्कृतिक समिति द्वारा मार्च माह में आयोजित कवि सम्मेलन की सफलता पर सभी सदस्यों ने सराहना की। चिकित्सा समिति के संयोजक सीताराम ठाकुर ने बताया कि वे भी क्षेत्रवार टीमों का गठन कर रहे हैं, जिससे जरूरतमंदों को त्वरित सहायता मिल सके।

खेलकूद समिति के संयोजक सुबोध सिंह ने जानकारी दी कि शीघ्र ही खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वहीं शिक्षा समिति के संयोजक डॉ. अमित ने बताया कि उनकी टीम का गठन हो चुका है, जिसमें प्रो. अतुल नेगी, प्रो. शिव कुमार एवं प्रो. विजेंदर के. सोलंकी शामिल हैं और जल्द ही कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

आईटी क्षेत्र में कार्यरत आदर्श सिंह ने आईटी सेल के संयोजक का दायित्व संभालते हुए सक्रिय योगदान देने का आश्वासन दिया। स्पॉन्सरशिप समिति के संयोजक राजेश शर्मा ने शीघ्र टीम गठन का भरोसा दिलाया, जबकि शिष्ट मंडल समिति के संयोजक एल.एम. चौधरी ने अधिकारियों एवं सरकार को ज्ञापन सौंपने हेतु तत्परता व्यक्त की।

कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे संचालन समिति ने अनुमोदित किया। उत्सव एवं छठ पूजा समिति के संयोजक आर.पी. सिंह ने बताया कि वर्षों के प्रयासों के बाद नेकलेस रोड पर तेलंगाना सरकार द्वारा पक्का छठ पूजा घाट निर्माण प्रारंभ किया गया है, जिसे छठ पूजा स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। इस उपलब्धि पर सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई दी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि साधारण सदस्यता शुल्क 1,000 तथा नवीनीकरण शुल्क 500 निर्धारित किया जाएगा।

प्रेरणा स्रोत वी.के. सिंह ने सदस्यों को संबोधित करते हुए संगठन को जन-जन तक पहुंचाने एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डी.डी. तिवारी, विश्वजीत सिंह, प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, सुरेश पंडित, आर.पी. सिंह, परमानंद शर्मा, वी.डी. चौबे, एल.एन. चौबे, राधे श्याम राय यादव, एस.पी. सिंह, दिनेश चंदन, के.एल. श्रीनिवासा राव, एल.एम. चौधरी, बिनीत सिंह, आदर्श सिंह, सुबोध सिंह, गोविंद तिवारी, राजेश शर्मा, दिनेश चौबे, मोहम्मद मुनव्वर, मनोज यादव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन किया गया, जिसकी घोषणा संयोजक डी.डी. तिवारी ने की।

द इम्पैक्ट मेकर्स की अनूठी पहल: भीषण गर्मी में 5000 से अधिक लोगों को पिलायी छाछ

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित स्वयंसेवी संस्था द इम्पैक्ट मेकर्स ने इस तपती गर्मी में राहगीरों और जरूरतमंदों को राहत पहुँचाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया।

संस्था के स्वयंसेवकों ने आबिड्स मुख्य मार्ग पर बीट द हीट समर ड्राइव के तहत 5000 से अधिक लोगों को छाछ के पैकेट वितरित किए।द इम्पैक्ट मेकर्स मुख्य रूप से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत युवा पेशेवरों का एक समूह है, जो स्वेच्छा से समाज के वंचित और कम भाग्यशाली वर्गों की सहायता के लिए काम करते हैं।

संस्था का मुख्य उद्देश्य उन लोगों तक पहुँचना है जिन्हें वास्तव में मदद की आवश्यकता है।

05 अप्रैल 2026 को आयोजित इस विशेष अभियान के दौरान, आबिड्स क्षेत्र के फुटपाथों पर रहने वाले लोगों, राहगीरों और कड़ी धूप में काम करने वाले मजदूरों को छाछ बाँटी गई। स्वयंसेवकों ने बताया कि बढ़ते तापमान को देखते हुए यह प्रयास किया गया ताकि लोगों को निर्जलीकरण और लू से बचाया जा सके। उपस्थित लोगों ने युवाओं के इस निस्वार्थ प्रयास की सराहना की। संस्था के सदस्यों का कहना है कि वे भविष्य में भी इसी तरह के जनहित के कार्य जारी रखेंगे।

हर निवाले में सेवा, हर मुस्कान में संतोष: राधे-राधे ग्रुप बना मानवता की पहचान : महेश गुप्ता

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान (सेवा) कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों को स्नेहपूर्वक भोजन वितरित कर सेवा, करुणा और मानवता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण सेवा भाव और अपनत्व से सराबोर नजर आया। हर चेहरे पर संतोष और हर हाथ में सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस अवसर पर महेश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किया जा रहा सेवा कार्य न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज के लिए प्रेरण-स्रोत भी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची भक्ति और मानवता की सबसे बड़ी पहचान है। ऐसे कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम ही प्रतीत होती है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, गौरव गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, जगन इलाकुर्थी, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑनलाइन ऑडिटिंग में तेलंगाना देश में नंबर-1 : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को गर्व के साथ घोषित किया कि राज्य का ऑडिट विभाग ऑनलाइन ऑडिटिंग के उच्चतम मानकों को अपनाते हुए देश में प्रथम स्थान पर उभरा है। उन्होंने बताया कि विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर लगातार तीसरी बार यह शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। यह बात उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान कही, जहाँ गुजरात ऑडिट विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तेलंगाना की ऑनलाइन ऑडिटिंग प्रणाली का अध्ययन करने पहुँचे थे।

गुजरात से आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में सभी प्रशासनिक प्रणालियाँ पूरी मजबूती और पारदर्शिता के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने गुजरात के अधिकारियों को राज्य में ऑडिट विभाग की कार्यप्रणाली को समझने के लिए पूर्ण सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे अधिकारी इस प्रक्रिया को विस्तार से समझाने के लिए हर संभव मदद करेंगे ताकि अन्य राज्य भी इस सफल मॉडल से लाभान्वित हो सकें।

बैठक के दौरान गुजरात के अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को सूचित किया कि वे पिछले दो दिनों से तेलंगाना की विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी स्तर पर ऑनलाइन सिस्टम का बारीकी से अध्ययन किया और पाया कि राज्य में ऑडिटिंग की व्यवस्था अत्यंत पारदर्शी और कुशल है। उन्होंने स्वीकार किया कि तकनीक का बेहतर उपयोग करके तेलंगाना ने ऑडिटिंग को न केवल सरल बनाया है, बल्कि जवाबदेही भी तय की है।इस महत्वपूर्ण बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, तेलंगाना ऑडिट विभाग के निदेशक नरसिम्हन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सरकारी धन के उपयोग की निगरानी रियल-टाइम में करना संभव हुआ है, जिससे वित्तीय अनियमितताओं की गुंजाइश कम हुई है।

मई से महंगी हो सकती है शराब और बीयर सरकार ने गठित की न्यायिक समिति

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आने वाले मई महीने से शराब और बीयर के शौकीनों की जेब पर बोझ बढ़ सकता है। ब्रुअरीज और डिस्टिलरीज ने कीमतों में वृद्धि की मांग की है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी बताया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इन प्रस्तावों को एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली न्यायिक समिति के पास भेज दिया है और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

वैश्विक तनाव और कच्चे माल की बढ़ती लागत

शराब निर्माताओं का कहना है कि अमेरिका/इजरायल-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति प्रभावित हुई है। ईंधन और प्राकृतिक गैस की कीमतों में उछाल की वजह से कांच (ग्लास) के उत्पादन में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे खाली बोतलों की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कच्चे माल के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। कई कांच निर्माता इकाइयों ने या तो उत्पादन कम कर दिया है या वे बंद होने की कगार पर हैं, जिससे आपूर्ति का संकट और गहरा गया है।

12 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी संभव

सरकार वर्तमान में 12 से 15 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि के प्रस्तावों की समीक्षा कर रही है। संभावना है कि यह बढ़ोतरी ब्रांड की श्रेणी और बोतल के आकार के आधार पर चरणों में लागू की जाएगी।

गौरतलब है कि राज्य में आखिरी बार मई 2023 में कीमतों में संशोधन किया गया था। नियमों के अनुसार हर दो साल में समीक्षा की जानी होती है, लेकिन पिछले साल इसे रोक दिया गया था। अब भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए निर्माताओं ने मंगलवार को नए संशोधित प्रस्ताव सौंपे हैं।

गर्मियों में मांग बढ़ी, किल्लत की आशंका

कीमतों में वृद्धि का यह मुद्दा ऐसे समय में गरमाया है जब गर्मियों के कारण शराब और विशेष रूप से बीयर की मांग में लगभग 30 प्रतिशत का मौसमी उछाल आया है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि उत्पादन लागत के मुद्दे को जल्द हल नहीं किया गया, तो बाजार में बीयर की किल्लत देखी जा सकती है। हालांकि अभी तक कोई बड़ी कमी सामने नहीं आई है, लेकिन आपूर्ति धीरे-धीरे कम (मोडरेट) हो रही है।

साहित्य सेवा समिति की 134वीं मासिक गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

साहित्य सेवा समिति
Regd. No. : 229 of 2016
हैदराबाद-तेलंगाना

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहित्य सेवा समिति ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी 134वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन किया। गोष्ठी का आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. दया कृष्ण गोयल व महामंत्री ममता कुमारी जायसवाल की उपस्थिति में हुआ।

विषय था मध्यकाल में राम भक्त काव्य धारा से लेकर आधुनिक काल तक हिंदी कविता में श्री राम। कार्यक्रम की शुरुआत गीता अग्रवाल द्वारा स्वरचित सरस्वती वंदना के साथ हुई। प्रथम सत्र का संचालन ममता कुमारी जायसवाल ने किया। अध्यक्ष डॉ. दया कृष्ण गोयल ने स्वागत भाषण में अद्यतन से आधुनिक काल तक श्री राम की भूमिका को निवेदित किया।

विषय प्रवेश के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार सत्य प्रसन्न ने विविध रामभक्ति पद्यों के उदाहरण देते हुए रामचिंतन धारा की महत्ता और श्रीराम की काव्यधारा को समकालीन रूप में समझाया। मुख्य प्रवक्ता युवा साहित्यकार दिल्ली से जुड़े अभिजीत पाठक ने तथ्यात्मक रूप से श्रीरामसाहित्य धारा के विकास की व्याख्या करते हुए कहा कि आज के जनमानस में राम बाल्मीकि रामायण, रामचरितमानस और आधुनिक काल के राम से भिन्न रूप धारण कर रहे हैं और त्वरित निर्णय की क्षमता साबित कर रहे हैं।ममता जायसवाल ने सबसे एक महत्वपूर्ण संशयात्मक प्रश्न उठाया 0क्या राम केवल नव्य पीढ़ी के लिए भीड़ वाले नारे वाले राम बनकर नहीं रह जाएंगे? क्या रामजनित संस्कार भ्रमात्मक प्रचार में बदल न जाएँ? परवर्ती चर्चकों ने इस विषय को आगे बढ़ाते हुए उद्बोधित किया कि भाषा, शिक्षा व स्वअनुशासन के माध्यम से रामप्रचार को आत्मिक रूप में बदला जा सकता है और सीतामय राम को पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व वैश्विक आदर्श के रूप में स्थापित किया जा सकता है। इस चर्चा में सी.पी. दायमा, दर्शन सिंह, डॉ. रचना चतुर्वेदी, डॉ. सुपर्णा मुखर्जी, विनय सिंह, बैजनाथ सुनहरे, गीता अग्रवाल, उमा देवी सोनी आदि प्रबुद्ध जनों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।द्वितीय सत्र का संचालन गीता अग्रवाल ने संभाला। काव्यगोष्ठी में राममय गीतों व कविताओं के अलावा मार्मिक संवेदनायुक्त गीत, कविताएँ तथा शृंगारिक गीतों की सुन्दर प्रस्तुति रही। डॉ. दया कृष्ण गोयल ने अध्यक्षीय भाषण में गोष्ठी की सफलता पर सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए हिंदी कविता के निरंतर उच्च स्तर पर प्रसन्नता जताई। विनय सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी का औपचारिक समापन किया गया।

तेलंगाना में खुलेंगे 37 ऑटोमैटिक वाहन परीक्षण केंद्र, 1 जून को पहले केंद्र का होगा शुभारंभ

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोंनम प्रभाकर ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और विभागीय राजस्व बढ़ाने के लिए प्रवर्तन उपायों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि कड़ाई इस तरह की जाए जिससे जनता को असुविधा न हो और सेवाएँ सुलभ बनी रहें।

1 जून से शुरू होंगे ऑटोमैटिक टेस्टिंग स्टेशन

राज्य सरकार ने 37 ऑटोमैटिक टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) को मंजूरी दी है। मंत्री ने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया है ताकि 1 जून तक पहले केंद्र को क्रियाशील बनाया जा सके। इन केंद्रों का उद्देश्य वाहन फिटनेस परीक्षण में मानवीय हस्तक्षेप कम करना और सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है।

राजस्व में वृद्धि और प्रवर्तन पर जोर

परिवहन विभाग ने वर्ष 2024-25 में 6,910.90 करोड़ रुपये और 2025-26 में 7,097.38 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। ईवी नीति के कारण राजस्व में आई कुछ गिरावट की भरपाई के लिए मंत्री ने प्रवर्तन गतिविधियों को मजबूत करने और वैकल्पिक राजस्व स्रोतों की तलाश करने को कहा है। उन्होंने लक्ष्य पूरा करने वाले अधिकारियों की सराहना की, जबकि कम प्रदर्शन करने वालों को चेतावनी दी।

निज़ामाबाद, आदिलाबाद और मेडक जैसे सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों की निगरानी करने और टैक्स चोरी रोकने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी (आरसी) कार्ड के लंबित मामलों को बिना देरी निपटाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने 'वाहन पोर्टल' की तकनीकी समस्याओं को हल करने और डीलर पॉइंट पर निर्बाध पंजीकरण सुनिश्चित करने को भी कहा।

सड़क सुरक्षा के लिए विशेष पहल और अभियान

-अराइव अलाइव अभियान: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और आरटीसी विभाग के समन्वय से इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया। इसमें ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर गाड़ी चलाना और हेलमेट/सीट बेल्ट न पहनने जैसे उल्लंघनों पर जागरूकता फैलाई जाएगी।

-राहवीर योजना : दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले नागरिकों को 25,000 रुपये का इनाम और पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

-सारथी क्रियान्वयन में तेलंगाना अव्वल: मंत्री ने गर्व के साथ बताया कि सारथी प्रणाली लागू करने के आठ महीनों के भीतर तेलंगाना राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान पर रहा है।

ईवी अपनाने और बुनियादी ढांचे का विस्तार

सरकार ने ईवी नीति के तहत लगभग 1,000 करोड़ रुपये की टैक्स छूट प्रदान की है। मंत्री ने सरकारी कर्मचारियों से इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, 17 जिलों में परिवहन कार्यालयों के लिए भूमि की पहचान करने और अवैध रेत परिवहन व ओ-वरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।मंत्री ने अंत में जवाबदेही दो-हराते हुए कहा कि अधिकारी अपने स्तर पर समस्याओं का समाधान करें या उन्हें तुरंत उच्च अधिकारियों तक पहुँचाएँ, अन्यथा लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना में गो-रक्षा कानूनों को कड़ाई से लागू किया जाए : वीएचपी

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को VHP प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य में गो-रक्षा कानूनों को और अधिक कड़ाई तथा प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को तेलंगाना सचिवालय में राज्य के मुख्य सचिव श्री रामकृष्ण राव से भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर वीएचपी नेताओं ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा कृषि आधारित जीवन पद्धति की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन में पूजनीय एवं पवित्र आराध्य स्वरूप है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गायों की अवैध तस्करी, अवैध वध तथा गैरकानूनी मांस परिवहन जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

ज्ञापन में प्रमुख मांगें-

-ज्ञापन में निम्न मांगें प्रमुख रूप से रखी गईं

-राज्यभर में गो-रक्षा कानूनों के पालन हेतु विशेष निगरानी व्यवस्था की जाए।

-गायों की अवैध तस्करी रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स नियुक्त की जाए।

-सीमावर्ती क्षेत्रों, राष्ट्रीय राजमार्गों और चेक पोस्टों पर कड़ी जांच की जाए।

-अवैध बूचड़खानों और बिना अनुमति चल रहे मांस परिवहन केंद्रों पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

-गो-वध और अवैध तस्करी में शामिल लोगों पर कड़ी सजा लागू की जाए।

-गौशालाओं को सरकारी संरक्षण, बुनियादी सुविधाएं तथा आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

-गो-रक्षा के विषय में पुलिस, राजस्व और पशुपालन विभागों के बीच समन्वय बढ़ाया जाए।

वीएचपी नेताओं ने कहा कि गो-रक्षा केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और कृषि संरक्षण से जुड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से मांग की कि वह गौमाता संरक्षण के विषय में और अधिक सक्रिय तथा कठोर कदम उठाए तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे।

पीएचपी नेताओं के अनुसार, मुख्य सचिव श्री रामकृष्ण राव ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे गो-हत्या निषेध कानूनों को कड़ाई से लागू कराने के लिए प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के राज्य स्तरीय नेता पगुडाकुला बालस्वामी, रमेश, सुभाष चंदर, स्वामीजी दुर्गानंद, सर्वेश्वर शिवयोगी अंबिका तथा रंगनाथ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राशन कार्ड के नाम पर वसूली का आरोप, ग्रामीणों ने की शिकायत

प्रत्येक गरीब से 5,000 लेने का आरोप, जांच के आदेश

बांसवाड़ा, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को ग्रामीणों एवं भाजपा नेताओं ने सब-कलेक्टर किरणमयी से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि बांसवाड़ा मंडल के ताड़कोल गांव में एक राशन डीलर द्वारा राशन कार्ड बनाने के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है।

शिकायत में बताया गया कि संबंधित राशन दुकान संख्या 2901006 के डीलर ने गरीब लोगों से राशन कार्ड बनवाने का आश्वासन देकर प्रति व्यक्ति 5,000 तक वसूले हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि राजस्व विभाग के अधिकारी फील्ड स्तर पर जांच करें, तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है।ग्रामीणों एवं भाजपा नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित राशन डीलर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा जिन लोगों से पैसे लिए गए हैं, उन्हें राशि वापस दिलाई जाए।इस पर बांसवाड़ा की सब-कलेक्टर किरणमयी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले की तत्काल जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर भाजपा टाउन अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी, जिला सचिव शंकर गौड़, नागराजू राजा रेड्डी, संतोष तुकाराम, सरिता, दत्तू, लक्ष्मण, राजा सिंह सहित पीड़ित ग्रामीण एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का 'विश्व मंगल' कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

200 महिलाओं की सहभागिता, मातृ संस्कारों पर हुई विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा कन्हा वनम रिसॉर्ट में विश्व मंगल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संयोजिका डॉ. सीमा जैन (संयुक्त सचिव) के नेतृत्व में किया गया, जिसमें लगभग 200 महिलाओं ने भाग लिया।समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं नरेंद्र गोयल के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ी में संस्कारों का संचार करना था, जिसमें माताओं की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान चर्चा की गई कि मातृ संस्कार क्यों आवश्यक हैं तथा आने वाली पीढ़ी को संस्कार कैसे दिए जाएं। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संस्कारों के माध्यम से ही भविष्य की पीढ़ी को संस्कारी एवं सशक्त बनाया जा सकता है। साथ ही युवाओं में बढ़ते भटकाव को दूर करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर माताओं को 'सात भ' में परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया गया, जिसमें

भोजन: सात्विक भोजन, भजन: भक्ति भजन, भूषा: पारंपरिक वेशभूषा, भाषा: संस्कृत/हिंदी, भ्रमण: धार्मिक यात्राएं, भ्रमण: सांस्कृतिक भ्रमण और चिंतन: आध्यात्मिक चिंतन शामिल थे।

इन सभी विषयों पर सामूहिक चर्चा करते हुए आदर्श समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया, जिसमें मातृ शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सीमा जैन ने बताया कि प्रतिभागियों के लिए 64 कमरों की व्यवस्था की गई थी। अरुण द्वारा भोजन व्यवस्थाब्रेकफास्ट, लंच, हाई टी एवं डिनर का समुचित प्रबंध किया गया।

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के रूप में नंदा अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, आरती अग्रवाल, ऋद्धिमा अग्रवाल, शीतल रुंगटा, रेखा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, रानी मित्तल, बर्खा अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, वर्षा जैन एवं सुमन गुप्ता सहित कई महिलाओं ने सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम में अट्टापुर महिला सेविका, बहादुरपुरा, बंजारा सेंट्रल, बेगमपेट सोमाजिगुड़ा, घांसी बाजार झूला शाखा, गोशामहल, सखी सहेली, दिलसुखनगर, कुकटपल्ली, ज्ञानभाग महिला, ज्ञानभाग कॉलोनी, हब्सीगुड़ा, कोम्पली, कोट्टापेट, मलकपेट, मलकपेट महिला, मलकजगिरी, मल्लापुर, मुरलीनगर, रामनगर, रामनगर ईजी, रानी सती दादी महिला, सत्य शक्ति महिला, टीवी टावर, सेक नॉर्थ, शालिबंदा महिला शाखा, अशोक नगर, अस्थसखी महिला, शिव शक्ति मोतीनगर, तुरुपबाजार, उत्तरांचल नारी शक्ति, मोतीनगर, चेलापुरा, पैराडाइज, कृष्ण सखिया नाचरम आदि शाखाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

इस अवसर पर डॉ. वृषाली जोशी, लिंगम श्रीधर जी, मा. प्रशांत हडतालकर जी, कंचन रमेश जी, संगीता रेड्डी जी, गायत्री जी एवं गायत्री देवी जी भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका डॉ. सीमा जैन ने कहा कि उनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना एवं मातृ शक्ति को सशक्त बनाना है, ताकि संस्कारित एवं सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

कोटा दुर्गम्मा मंदिर में विशेष पूजा एवं महा अन्नदान आयोजित

भक्तों की उमड़ी भीड़, सामूहिक अभिषेक व कुमकुम-पूजन सम्पन्न

बांसवाड़ा, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार के अवसर पर बांसवाड़ा शहर के कोटागल्ली स्थित श्री कोटा दुर्गम्मा मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मंदिर में कुलकर्णी अरुण के नेतृत्व में पुजारियों द्वारा देवी का सामूहिक अभिषेक एवं कुमकुम-पूजन (कुमकुम अर्चना) किया गया तथा श्रद्धालुओं को तीर्थ प्रसाद वितरित किया गया।

इसके पश्चात दोपहर में भक्तों के लिए अन्नदाता सुकारी रूपा प्रकाश के नेतृत्व में महा अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के अंत में मंदिर के पुजारियों ने सभी भक्तों एवं आयोजकों को देवी का आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण, महिलाएं, मंदिर समिति के सदस्य एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान जागृति समिति के तत्वावधान में गुरुवार दि. 9 अप्रैल से बाहेती भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के संदर्भ में मंगलवार को भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, प्रधान संयोजक महेश अग्रवाल, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, मनीष सोमानी, गोविंद बिरादर, बाला प्रसाद लड्ढा आदि उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण को समर्पित प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित

अग्रवाल समाज की पहल, 60 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज द्वारा दिनांक 3 अप्रैल को समाज मीटिंग हॉल, राघव रत्ना टावर्स में महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस आयोजन का सफल नेतृत्व संयुक्त सचिव श्रीमती सीमा जैन एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ से ही महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और लगभग 60 से अधिक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया। प्रतिभागियों ने न केवल नई-नई विधाओं को सीखने में रुचि दिखाई, बल्कि पूरे कार्यक्रम के दौरान सक्रिय सहभागिता भी निभाई।

कार्यक्रम के प्रथम दिन तंजौर पेंटिंग की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षक शिवानी सिद्धम ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को बारीकियों के साथ प्रशिक्षण दिया। उनकी सरल एवं प्रभावी शिक्षण शैली ने सभी को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर श्रीमती राजरानी मित्तल, श्रीमती शीतल रुंगटा एवं अन्य सदस्यों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे कार्यक्रम और अधिक सुव्यवस्थित एवं सफल रहा।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 अप्रैल तक निरंतर आयोजित किया जाएगा, जिसमें महिलाओं के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न रचनात्मक एवं उपयोगी सत्र शामिल किए गए हैं। इन सत्रों में मेकअप, लिपन आर्ट, मेहंदी, मसाला निर्माण तथा वेजिटेबल कार्विंग जैसी विधाएं शामिल हैं, जो रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि सभी प्रशिक्षक धैर्य, समर्पण एवं उत्साह के साथ प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं तथा प्रत्येक प्रतिभागी को व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इससे महिलाओं में नई चीजें सीखने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित हो रही हैं। यह कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में उभर रहा है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, POLEBOYINA KRISHNA VENI is Spouse of Service No-15683737P, Rank- HAV, Name- POLEBOYINA VENKATAIAH, of Unit- 54 IDSR(A), R/o H.No-25/39, Vill & Po- Cumbum, Teh- Cumbum, Dist- Prakasam, A.P. PIN-523333. I have to change my Name from P KRISHNA VENI to POLEBOYINA KRISHNA VENI for all purpose vide affidavit dated: 07/04/2026.

CHANGE OF NAME
I, KANVAL RAM is legally father of No-15160327K, Rank- HAV, Name- VIJAY KUMAR, R/o Vill – Raka, Po- Murmodha, Teh- Dongargarh, Dist- Rajnandgaon, Chhattisgarh. PIN-491445. I have to change my Name from KANWAL RAM to KANVAL RAM for all purpose vide affidavit dated: 07/04/2026

CHANGE OF NAME
I, No.75750A Lt Col RAJESH KUMAR, Residing at F-19, Tirupati Supreme Enclave, Vill:Satara Parisar, Teh & Dist:Aurangabad, Maharashtra-431010 have changed my name from RAJESH KUMAR to RAJESH KUMAR OJHA vide affidavit dt:28-03-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KEERTHI SATYANARAYANAMMA Mother of No.2620487K Sep KEERTHI VASU, Residing at 2-121, Patha Satyavram, Vill and PO:Payakaraopeta, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh - 5 31126 have changed my name and DOB from K SATYA NARAYANAMMA, DOB:01-06-1977 to KEERTHI SATYANARAYANAMMA, DOB:01-01-1976 vide affidavit dt:07-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, THUMMALAKUNTA LAKSHMI DEVI Mother of Service No. 2620359M Hav THUMMALAKUNTA SUBBA RANGAIAH, Residing Chinnagani Palli, Prakasam, Andhra Pradesh-523372 have changed my name and DOB from THUMMALAKUNDA LAXMI DEVI, DOB:04-05-1975 to THUMMALAKUNTA LAKSHMI DEVI, DOB:01-01-1976 vide affidavit dt:07-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, THUMMALAKUNTA NAGESWARA RAO father of Service No. 2620359M Hav THUMMALAKUNTA SUBBA RANGAIAH, Residing Chinnagani Palli, Prakasam, Andhra Pradesh-523372 have changed my DOB from 01-07-1971 to 01-01-1971 vide affidavit dt:07-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, KEERTHI DORABABU Father of No.2620487K Sep KEERTHI VASU, Residing at 2-121, Patha Satyavram, Vill and PO:Payakaraopeta, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh-531126 have changed my Date of Birth from 08-10-1972 to 01-01-1966 vide affidavit dt:07-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, RANBIR SINGH Father of Service No-17015983W,Rank-HAV, Name-Ravinder Yadav Residing at Vill & PO- Gothra Tappa Khori (39), Via - Kund, Dist-Rewari,PIN-123102, State-Haryana. I have changed my name from RANBIR SINGH to RANBEER and also Date of Birth changed from 01/01/1962 to 03/03/1960 Affidavit dated 06 Apr 2026 before Notary G Ramchander, Advocate, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-17015983W,Rank-HAV, Name-Ravinder Yadav Residing at Vill & PO- Gothra Tappa Khori (39), Via -Kund, Dist-Rewari, PIN-123102, State-Haryana. I have changed my Son name from LAKSH to LAKSHYA Affidavit dated 06 Apr 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, KULDEEP SINGH Father of Service No-17011678M,Rank-HAV, Name-Sukhdeep Singh Residing at Vill-Kot Sidhu, PO- Kariyal,Ajnala, Kot Sidhu,Dist-Amritsar,PIN-143102, State-Punjab. I have changed my name from KULDEEP SINGH to KULDIP SINGH Affidavit dated 06 Apr 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

रेवंत रेड्डी का केरल के मुख्यमंत्री को पत्र

विकास, गरीबी और शासन के दावों को दी चुनौती

तिरुवनंतपुरम/हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को एक विस्तृत पत्र लिखकर उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्टों में किए गए दावों का खंडन किया है। विजयन ने अपने पोस्ट में केरल और तेलंगाना के विकास संकेतकों की तुलना की थी, जिस पर अब रेड्डी ने बिंदुवार विश्लेषण के साथ जवाबी हमला किया है। दोनों राज्यों के नेतृत्व के बीच यह पत्राचार तीखी राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है।

अपने पत्र में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि विजयन द्वारा अपने ट्वीट्स में उद्धृत अधिकांश डेटा डनीति आयोग एसडीजी (एसडीजी) सूचकांक 2023-24 पर आधारित है। रेड्डी ने इस डेटा को पहले से ही पुरान करार दिया और कहा कि यह तेलंगाना में पिछली सरकारों के उस दशक को दर्शाता है जो राज्य के लिए विनाशकारी रहा था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान तेलंगाना सरकार, जिसने केवल 28 महीने पहले कार्यभार संभाला है, पहले ही कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल कर चुकी है। उन्होंने विजयन को याद दिलाया कि तेलंगाना महज 12 साल पुराना राज्य है जिसे पिछली सरकारों से कई चुनौतियां विरासत में मिली थीं, जबकि केरल के विकास मानक दशकों की मेहनत का परिणाम हैं।

रेवंत रेड्डी ने विशेष रूप से गरीबी दर, साक्षरता, शिशु मृत्यु दर और वेतन-पेंशन भुगतान जैसे मुद्दों पर विजयन के दावों का जवाब दिया।

उन्होंने तेलंगाना की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं जैसे-इंदिराम्मा इल्लू आवास योजना, सन्ना बिय्यम चावल वितरण, राजीव आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना, किसानों के लिए रैथु भरोसा और मुफ्त घरेलू बिजली योजना का उल्लेख करते हुए इनकी तीव्र कार्यान्वयन गति की सराहना की। इसके साथ ही, रेड्डी ने संवेदनशील मुद्दों को छेड़ते हुए केरल के 2020 के 'गोल्ड स्मगलिंग केस' (स्वर्ण तस्करी मामला) का जिक्र किया और राजनीतिक मिलीभगत पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार अन्य राज्यों और विदेशों के सफल मॉडलों (जैसे केरल का एंटे भूमि डिजिटल रिकॉर्ड) का अध्ययन तो करती है, लेकिन तथ्यहीन दावों को स्वीकार नहीं करेगी।

उल्लेखनीय है कि इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब रेवंत रेड्डी ने केरल में चुनाव प्रचार के दौरान एलडीएफ (ड्रूक्र) सरकार पर भ्रष्टाचार और खराब शासन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला था। उन्होंने तेलंगाना के प्रशासन से तुलना करते हुए केरल सरकार की आलोचना की थी। इसके जवाब में पिनाराई विजयन ने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा था कि केरल को तेलंगाना से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। विजयन ने रेड्डी पर चुनाव के दौरान मतदाताओं को गुमराह करने और बिना जानकारी के राजनीतिक बयान देने का आरोप लगाया था। अब रेड्डी ने अपने पत्र के माध्यम से विजयन को सार्वजनिक दावे करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने और ऐतिहासिक व भौगोलिक संदर्भों के आधार पर ही राज्यों की तुलना करने की सलाह दी है।

एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों धरे गए पीजेटीएसएयू के एसोसिएट डीन

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) के एक एसोसिएट डीन को हैदराबाद के राजेंद्र नगर में 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी अधिकारी की पहचान डॉ. एम. गोवर्धन के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर एक निजी फर्म को बीज लाइसेंस जारी करने और व्यापार में मदद करने के बदले अवैध धन की मांग कर रहे थे।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, कृषि महाविद्यालय में एसोसिएट डीन (एग्रोनॉमी) के पद पर तैनात डॉ. गोवर्धन को सिटी रेंज-खख इकाई ने उस समय जाल बिछाकर पकड़ा, जब वे शिकायतकर्ता से 1 लाख रुपये स्वीकार कर रहे थे। जांच में सामने आया कि यह राशि आधिकारिक कर्तव्यों से संबंधित अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए की गई निरंतर मांग का हिस्सा थी। इससे पहले भी आरोपी अधिकारी शिकायतकर्ता से 25,000 रुपये ले चुके थे। जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि कृषि विभाग के माध्यम से बीज लाइसेंस जारी करने और भविष्य में शिकायतकर्ता के बीज व्यवसाय में कोई बाधा उत्पन्न न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए रिश्वत को 'ईनाम' के रूप में मांगा गया था। एसीबी ने आरोपी के पास से रिश्वत की वह नकद राशि बरामद कर ली है, जिस पर विशेष पाउडर लगाया गया था। आरोपी की उंगलियों पर किए गए रासायनिक परीक्षण (केमिकल टेस्ट) के सकारात्मक आने के बाद भ्रष्टाचार की पुष्टि हुई।

गिरफ्तारी के बाद डॉ. गोवर्धन को नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है। मामले की जांच फिलहाल जारी है। इस बीच, एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई भी लोक सेवक रिश्वत की मांग करता है, तो तुरंत टोल-फ्री नंबर 1064 या व्हाट्सएप नंबर 9440446106 पर सूचना दें। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

'आंध्रज्योति कार्यालय पर वाईएसआरसीपी का हंगामा, चौतरफा निंदा

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद स्थित एबीएन आंध्रज्योति के कार्यालय पर मंगलवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले और विरोध प्रदर्शन के प्रयास ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वीकेंड कमेंट बाय आरके नामक स्तंभ में प्रकाशित एक लेख, जिसमें माविगन के प्रस्ताव पर सवाल उठाए गए थे, उसे लेकर उपजे विवाद के बाद यह हमला हुआ। एबीएन आंध्रज्योति के निदेशक भानुप्रकाश कोंगंती ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर आघात बताया है।

मीडिया समाज का दर्पण, दमन की कोशिश अनुचित: भानुप्रकाश

निदेशक भानुप्रकाश ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मीडिया समाज को सूचना देने का एक प्रमुख मंच है, जो सरकारी नीतियों, जनता की समस्याओं और शासन की खामियों को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा, मीडिया संस्थान अपना काम स्वतंत्र रूप से करते हैं।

उन पर हमले करना एक कायराना और दुष्टतापूर्ण कृत्य है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को सुझाव दिया कि यदि उन्हें किसी विचार से असहमति है, तो वे जनता के बीच जाकर अपनी बात रखें और मुद्दों पर लड़ें, न कि मीडिया की आवाज दबाने के लिए हिंसा का सहारा लें।

पत्रकार संगठनों और विपक्षी दलों ने जताई गहरी नाराजगी

इस घटना के बाद पत्रकार संगठनों ने एकजुट होकर वाईएसआरसीपी के रवैये की आलोचना की है। आईजेयू , एपीयूडब्ल्यूजे और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जर्नालिस्ट एसोसिएशन के नेताओं डी. सोमसुंदर, आई.वी. सुब्बाराव और येचुरी शिव ने स्पष्ट किया कि खुद एक मीडिया संस्थान चलाने वाले वाईएस जगन मोहन रेड्डी द्वारा अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को इस तरह उकसाना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। वहीं, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने भी इस हमले को लोकतंत्र के विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को राजनीतिक रूप से ही सुलझाया जाना चाहिए, न कि धमकियों और हमलों के माध्यम से।

क्या है विवाद की मुख्य वजह?

विवाद की जड़ में वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन द्वारा प्रस्तावित नई राजधानी माविगन (मछलीपट्टनम, विजयवाड़ा और गुंटूर को मिलाकर) का विचार है।

जब संसद में अमरावती को राजधानी बनाने का बिल चर्चा में था, तब इस प्रस्ताव की आंध्र ज्योति के एमडी वेमूरी राधाकृष्ण ने अपने विशेष लेख कोत्ता पलुकू में तीखी आलोचना की थी। इसी लेख से नाराज होकर जगन के आदेश पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने न केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस की, बल्कि जुबली हिल्स स्थित कार्यालय के बाहर हिंसक प्रदर्शन भी किया।

हैदराबाद ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

इंस्टाग्राम रील्स से लेकर कूरियर तक, ऐसे फैला था नशीला जाल

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस की नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने शहर में सक्रिय एक बहुस्तरीय ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। यह गिरोह सोशल मीडिया, कूरियर सेवाओं और अंतरराज्यीय सप्लाई चेन का उपयोग कर नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। चिलकलगुडा, सनथ नगर और आदिबतला में की गई समन्वित छापेमारी में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय तस्कर, एक स्थानीय डीलर और तीन सब-पैडलर्स सहित पाँच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 63.65 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं।

छात्र बना पैडलर: इंस्टाग्राम और प्रॉक्सी फोन का खेल

पुलिस ने बालनगर के 18 वर्षीय छात्र साईं निखिल यादव को 115 ग्राम एमडीएमए (मूल्य 11.5 लाख रुपये) के साथ गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि कॉलेज के दौरान वह ड्रग्स की लत का शिकार हुआ और बाद में अपनी लत पूरी करने के लिए इसे बेचने लगा। पकड़े जाने से बचने के लिए वह दूसरों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता था और ग्राहकों व सप्लायर्स से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लेता था।

ट्रेन और बॉर्डर सप्लाई: अंतरराज्यीय तस्कर का नेटवर्क

श्रीकाकुलम जिले के 28 वर्षीय वेल्डर सिम्हाचलम को मुख्य अंतरराज्यीय सप्लायर के रूप में पहचाना गया है। वह आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा से हैदराबाद में ड्रग्स लाता था। उसे वेणु (23) नामक ड्राइवर के साथ गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 12.75 लाख रुपये मूल्य का 1,005 ग्राम हश ऑयल बरामद हुआ। सिम्हाचलम डिजिटल पदचिह्नों से बचता था और परिवहन के लिए ट्रेनों का उपयोग करता था।

कूरियर और एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल

आदिबतला में पुलिस ने अक्षय पटेल (35) और बब्बुरी आदित्य वर्धन (25) को गिरफ्तार कर एक स्थानीय वितरण मॉड्यूल का पर्दाफाश किया। इनके पास से 39.4 लाख रुपये मूल्य की एक्स्टसी पिल्स (363 ग्राम), ओजी (41 ग्राम), एलएसडी ब्लॉट्स, नकदी और वाहन जब्त किए गए। व्यापार में घाटे के कारण अक्षय ड्रग तस्करी में उतरा और कूरियर सेवाओं व एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए माल मंगाता था।

कैसे काम करता था यह नेटवर्क? पुलिस जांच में इस रैकेट की एक संगठित संरचना सामने आई है कि- सप्लायर: शहर के बाहर स्थित मुख्य स्रोत।परिवहन: कूरियर सेवाएं, पार्सल और ट्रेन मार्ग।सब-पैडलर: स्थानीय स्तर पर वितरण संभालने वाले एजेंट।

युवाओं और पेशेवरों में बढ़ता चलन: पुलिस की चेतावनी

डीसीपी (टास्क फोर्स/एच-न्यू) वैभव गायकवाड़ (आईपीएस) ने बताया कि छात्र, आईटी पेशेवर और शिक्षित युवा आसानी से पैसा कमाने और साथियों के प्रभाव में आकर इस दलदल में फंस रहे हैं।

एसीबी का बड़ा एक्शन

बंदोबस्ती विभाग की सहायक आयुक्त कालिंगिरी शांति गिरफ्तार, भारी मात्रा में संपत्ति बरामद

विजयवाड़ा, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामले में बंदोबस्ती विभाग की सहायक आयुक्त कालिंगिरी शांति को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान उनके पास से ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के बाद, विजयवाड़ा रेंज की एसीबी टीमों ने मंगलवार को ताडेपल्ली और उंडावल्ली गांवों में चार अलग-अलग स्थानों पर एक साथ तलाशी ली। इस छापेमारी में अधिकारी के आवास से संपत्तियों और निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।तलाशी के दौरान अउइ ने जो संपत्तियां और सामान बरामद किया है, उनका विवरण है- अचल संपत्ति: विशाखापत्तनम के येंदाडा में एक आवासीय फ्लैट और ताडेपल्ली के कुंचनपल्ली में एक मंजिला (जी+2) इमारत।आभूषण: लगभग 770 ग्राम सोने के आभूषण और 3 किलोग्राम चांदी के बर्तन।नकदी व बैंक बैलेंस: करीब 1.15 लाख रुपये नकद और बैंक खातों में 3 लाख रुपये का बैलेंस।वाहन: एक फॉक्सवैगन पोलो कार और एक मोटरसाइकिल।अन्य: कीमती इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और घरेलू सामान।कालिंगिरी शांति की नियुक्ति 2020 में एपीपीएससी के माध्यम से सहायक आयुक्त के रूप में हुई थी। उन्होंने विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा में अपनी सेवाएँ दी हैं। विशेष बात यह है कि वह जुलाई 2024 से मार्च 2026 तक सेवा से निलंबित रही थीं और गिरफ्तारी के समय अपनी अगली पोस्टिंग का इंतजार कर रही थीं। फिलहाल उन्हें विजयवाड़ा में एसीबी मामलों की विशेष अदालत में पेश किया जा रहा है।एसीबी ने जनता से भ्रष्टाचार के खिलाफ आगे आने की अपील की है। नागरिक टोल-फ्री नंबर 1064, मोबाइल नंबर 9440440057 के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अधिकारी अभी भी आगे की जांच और तलाशी जारी रखे हुए हैं।

बेगम बाजार में सेवा की मिसाल: राधे-राधे ग्रुप का निरंतर अन्नदान अभियान

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा और सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा का असली अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंदों की मदद करें। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर अन्नदान कर समाज में सकारात्मक संदेश दे रहा है। इस सेवा कार्य में अनिल भाई, गोविंद राम जी, विनोद तोशनीवाल, अरुण विजयवर्गी, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा गौ माता के आशीर्वाद से करूणा, सांस्कृतिक जागरूकता और गौमाता कल्याण को बढावा देने हेतु स्वामीनारायण गौशाला मे आज बुधवार दि. 8 अप्रैल 2026 सायं 3 बजे से

एक दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर (Summer Camp)

निबंध लेखन प्रतियोगिता

स्थान: स्वामीनारायण गुरूकुल इंटरनेशनल स्कुल, मोईनाबाद

विजेताओ को पुरस्कार एवं भाग लेने वाले सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे।

Jasmat Nanjibhai Patel 72880 47779
Ridesh Jagirdar 9849988999 Ranjana Shah 9885359009
Mukesh Chouhan 9246883060 Tarun Mehta 9347612051
Jaswant Surani 9849003582 Virendra Agarwal 9391029961
Shashikala Kothari 9676979720 Dhanji Patel 9885575060

Love for Cow

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.